NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 79 लखनऊ, रविवार 09 नवंबर 2025 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

अयोध्या में बंटने लगे निमंत्रण पत्र, 7 लाख श्रद्धालु आ सकते हैं, पीएम मोदी 190 फीट ऊंचे राम मंदिर के शिखर पर करेंगे ध्वजारोहण

संवाददाता।

लखनऊ/अयोध्या श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, इस ध्वजस्तंभ में बॉल बेयरिंग पर आधारित 360 डिग्री घूमने वाला एक कक्ष होगा, जिससे यह 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवा को बिना किसी नुकसान के झेल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर जो झंडा फहराएँगे, उसे अहमदाबाद में पैराशूट बनाने वाली एक कंपनी द्वारा तैयार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के दौरान राम मंदिर निर्माण में शामिल श्रमिकों और इंजीनियरों से मुलाकात कर सकते हैं। मंदिर के ऊपर फहराया जाने वाला झंडा विशेष रेशमी धागों और पैराशूट के कपड़े से बनाया जाएगा, जिसे धूप, बारिश और तेज हवाओं में टिकाऊपन के लिए चुना गया है। इसकी गुणवत्ता वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के परामर्श से तय की गई है। नमी और तापमान में उतार–चढ़ाव को झेलने के लिए डिजाइन किया गया, 22 फुट लंबा और 11 फुट चौड़ा यह झंडा मंदिर के 161 फुट ऊँचे शिखर पर लगे 42 फुट ऊँचे खंभे पर लगाया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, इस ध्वजस्तंभ में बॉल बेयरिंग पर आधारित 360 डिग्री घूमने वाला एक कक्ष होगा, जिससे यह 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवा को बिना किसी नुकसान के झेल सकेगा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर होने वाले ध्वजारोहण का निमंत्रण पत्र सामने आया है। ये निमंत्रण करीब 7000 विशिष्ट अतिथियों को भेज जा रहे हैं। इसमें 25 नवंबर को राम विवाह पंचमी होने का जिक्र है। साथ ही यह भी लिखा गया है कि आमंत्रितों के प्रवेश का समय सुबह 8 से 10 बजे के बीच ही दिया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया कि ध्वजारोहण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। भगवा रंग के ध्वज पर सूर्य, ध और कचनार के पेड़ के प्रतीक चिह्न होंगे। ध्वजारोहण के बाद आम श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकेंगे। इस दिन करीब 7 लाख श्रद्धालु पहुंच सकते हैं।

भगवान राम-कृष्ण के बाद अब छठ माई का विरोध कर रहे महागठबंधन वाले, सीएम योगी बोले...

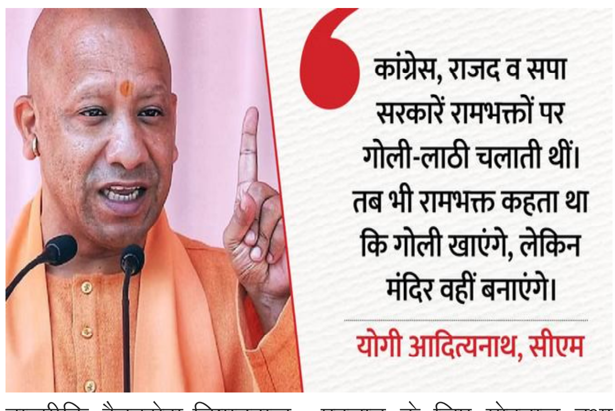

संवाददाता।

लखनऊ सीएम योगी आदित्यनाथ इन दिनों बिहार के दौरे पर हैं। शनिवार को राजद–कांग्रेस पर जमकर बरसे। सीएम योगी को देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़े। इस दौरान सीएम योगी ने यूपी की कानून व्यवस्था का जिक्र किया। यूपी के योगी आदित्यनाथ की बिहार विधानसभा चुनाव में ताबड़तोड़ रैली जारी है। शनिवार को उन्होंने पिपरा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार श्यामबाबू प्रसाद यादव के पक्ष में जनसभा कर कमल खिलाने की अपील की। उन्होंने कहा, भगवान राम–कृष्ण के बाद अब यह लोग छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। जो राम का विरोध और आस्था का अपमान करते हैं, उन्हें कतई वोट नहीं देना है। कांग्रेस राम को नकारती थी, राजद राम मंदिर निर्माण की रथ यात्रा को रोकती थी, समाजवादी पार्टी रामभक्तों पर गोली चलाकर लहुलूहान करती थी। जब रामभक्त कहते थे कि रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। कांग्रेस, राजद व सपा सरकारें रामभक्तों पर गोली–लाठी चलाती थीं, तब भी रामभक्त कहता था कि लाठी गोली खाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। यूपी में एनडीए सरकार बनी तो अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो गया। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट महर्षि वाल्मीकि, रैनबसेरा निषादराज, रसोई मां शबरी के नाम पर बनी है। सीतामढ़ी में भी मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। कांग्रेस और महागठबंधन वाले भगवान राम–कृष्ण के बाद अब छठ माई का भी विरोध कर रहे हैं। सीएम ने मतदाताओं से अपील की कि जो राम का विरोध और आस्था का अपमान करते हैं, उन्हें वोट देकर जाया नहीं करना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि पहले चरण के चुनाव के बाद हताश और निराश महागठबंधन के लोगों का वक्तव्य दिख रहा है। यह बताता है कि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेगी तो जनता का फैसला बिहार में शफिर एक बार एनडीए सरकारश होगा। बिहार के लिए एनडीए सरकार आवश्यक है। उन्होंने विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि इन लोगों ने देश के सामने सुरक्षा व बिहार के सामने पहचान का संकट खड़ा किया। कांग्रेस, राजद, ए माले व इनके सहयोगी अपने–अपने क्षेत्र के कुख्यात सरगना हैं। इनके द्वारा अपराध को संरक्षण, भ्रष्टाचार को पनपाने के साथ ही अराजकता पैदा की गई। यह सभी जंगलराज के अपराधी हैं। जंगलराज से मुक्ति दिलाने के लिए नौजवानों ने 2005 में एनडीए नेतृत्व पर विश्वास किया था। परिणाम स्वरूप नीतीश बाबू की सरकार बनी। कांग्रेस व राजद के कारण पहचान के लिए मोहताज हुआ बिहार का नौजवान सीएम योगी ने कहा कि जिस बिहार ने दुनिया को ज्ञान दिया। उसे राजद, नक्सलवाद व माओवादियों के गठबंधन ने साक्षरता में पीछे ढकेल दिया। नौजवानों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। अपनी प्रतिभा व मेधा के लिए जगविख्यात बिहार का नौजवान पहचान के लिए मोहताज हुआ तो इसकी दोषी कांग्रेस, राजद व ए माले है। सीएम योगी ने कहा कि 20 वर्ष में नीतीश बाबू के नेतृत्व में नए बिहार का स्वरूप दिख रहा है। बिहार जिसका हकदार था, वह हर कार्य आज यहां हो रहा है। जो कार्य 30–50 वर्ष पहले होना चाहिए था, वह कार्य पिछले 20 वर्ष से हो रहा है। 11 वर्ष के अंदर इसमें और तेजी आई है। बिहार में अब सड़क, बिजली, एयरपोर्ट, एनआईटी, आईआईटी, आईआईएम, एम्स, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज की श्रृंखला है। बिहार में रोजगार, सुरक्षा, सम्मान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। सीएम योगी ने केंद्र सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। बोले कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत बदला है। मोदी जी 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहे हैं, जबकि राजद वाले पशुओं का भी चारा खा गए थे। एनडीए रोजगार के साथ ही पंच गारंटी (आवास, बिजली, राशन, स्वास्थ्य, पानी) भी दे रही है।

राहुल और तेजस्वी सीमांचल को घुसपैठियों का अड्डा बनाना चाहते हैं- अमित शाह

एजेंसी।

पटना बिहार गृह मंत्री ने कहा, ''राज्य का आधा हिस्सा पहले ही कांग्रेस–राजद गठबंधन को बाहर का रास्ता दिखा चुका है।'' उन्होंने यह बात छह नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान का हवाला देते हुए कही।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव बिहार के सीमांचल क्षेत्र को "घुसपैठियों का अड्डा" बनाने पर आमादा हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हर अवैध प्रवासी की पहचान करेगी, उनके नाम मतदाता सूची से हटाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजेगी।पूर्णिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार में स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा, ''243 सदस्यीय विधानसभा में राजग 160 से अधिक सीट पर विजय प्राप्त करेगा।''गृह मंत्री ने कहा, ''राज्य का आधा हिस्सा पहले ही कांग्रेस–राजद गठबंधन को बाहर का रास्ता दिखा चुका है।'' उन्होंने यह बात छह नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान का हवाला देते हुए कही। शाह ने कहा, "राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सीमांचल क्षेत्र को घुसपैठियों का अड्डा बनाने पर तुले हैं। हम हर अवैध प्रवासी की पहचान करेंगे, उनके नाम मतदाता सूची से हटवाएंगे और उन्हें उनके देश वापस भेजेंगे।" उन्होंने जनता से अपील की कि राज्य में सुशासन और सुरक्षा बनाए रखने के लिए राजग को पूर्ण बहुमत से विजयी बनाएं।

अमित शाह

प्रियंका गांधी का गंभीर आरोप भाजपा कर रही वोट चोरी, लोकतंत्र और संविधान खतरे में

एजेंसी।

बिहार पटना । प्रियंका गांधी वाड्रा ने कटिहार में कांग्रेस और महागठबंधन की लड़ाई को महात्मा गांधी के संघर्ष से जोड़ा, आरोप लगाया कि वे नरेंद्र मोदी के शसाम्राज्यश के खिलाफ लड़ रहे हैं जो लोकतंत्र और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कमजोर कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर संविधान और मतदान के अधिकार को खतरे में डालने तथा श्वोट चोरीश का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कांग्रेस और महागठबंधन के बीच चल रहे राजनीतिक संघर्ष की तुलना महात्मा गांधी की नागरिक अधिकारों की लड़ाई से की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोगों का दमन करने और लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। कटिहार के कदवा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रियंका गांधी ने कहा कि आज कांग्रेस और महागठबंधन की लड़ाई केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है, जिसमें मतदान का अधिकार भी शामिल है, जिस पर उन्होंने दावा किया कि वह खतरे में है।प्रियंका गांधी ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन जो लड़ाई लड़ रहे हैं, वही लड़ाई महात्मा गांधी ने लड़ी थी। आज भी हम आपके अधिकारों के लिए, सच्चाई के लिए, एक साम्राज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं, और वह नरेंद्र मोदी का साम्राज्य है... आज वह लोगों का दमन करके उसी तरह इस देश को चला रहे हैं, और उनकी पार्टी अफवाहें फैला रही है। प्रियंका गांधी ने भाजपा पर संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा, ष्आज महात्मा गांधी जिन अधिकारों के लिए लड़े थे, वे खतरे में हैं... सबसे जरूरी अधिकारों में से एक है वोट का अधिकार... आज भाजपा ने संविधान को कमजोर करने की पूरी कोशिश की... उन्होंने वोट चोरी शुरू कर दी।इससे पहले, बिहार चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (छक।) की जीत की पुष्टि करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महागठबंधन पर अपना कट्टा वाला तंज दोहराया और कहा, नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार छक। सरकार। सीतामढ़ी में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने माहौल को षदिल को छू लेने वालाष बताया और कहा कि यह एनडीए के प्रति लोगों के स्पष्ट समर्थन को दर्शाता है। सीतामढ़ी में आज हम जो माहौल देख रहे हैं, वह दिल को छू लेने वाला है। यह माहौल यह संदेश भी दे रहा है कि – हमें कट्टा सरकार नहीं, एक बार फिर छक। सरकार चाहिए।

बिहार समस्तीपुर में सड़क किनारे मिलीं वीवीपैट पर्चियों पर्चियां, आरजेडी ने उठाए सवालय एआरओ निलंबित

एजेंसी।

पटना बिहार के समस्तीपुर में सड़क किनारे बिखरी मिलीं वीवीपैट पर्चियों पर विवाद गहरा गया, जिस पर राजद ने ईवीएम से निकलने का आरोप लगाया। हालांकि, जिला प्रशासन और चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि ये पर्चियाँ मतदान से पहले हुए मॉक पोल की थीं, जिनकी ठीक से कटाई नहीं हुई थी। इस लापरवाही के लिए संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारी को निलंबित कर एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि मतदान प्रक्रिया की निष्पक्षता बरकरार रहने की पुष्टि की गई।बिहार के समस्तीपुर में शनिवार को एक वीडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया, जिसमें सड़क किनारे बड़ी संख्या में वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) पर्चियाँ बिखरी दिखाई दे रही थीं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने आरोप लगाया कि ये पर्चियाँ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) से निकाली गई थीं। हालांकि, जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ये पर्चियाँ गुरुवार को मतदान से पहले किए गए मॉक पोल की थीं, न कि वास्तविक मतदान की। समस्तीपुर के जिलाधिकारी (डीएम) रोशन कुशवाहा ने कहा कि जाँच में पता चला है कि मॉक पोल के बाद अतिरिक्त पर्चियाँ काटी गई थीं, लेकिन कुछ बिना काटे हुए पाई गईं।डीएम ने कहा कि हमने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पाया कि पर्चियाँ मॉक पोल की थीं। उनमें से कुछ को ठीक से नहीं काटा गया था। ईवीएम नंबरों से हमें जिम्मेदार मतदान कर्मचारियों की पहचान करने में मदद मिलेगी और कार्रवाई की जाएगी।ष उन्होंने आगे बताया कि उम्मीदवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। वायरल हुए वीडियो में स्थानीय लोगों को पार्टी के चिन्ह वाली पर्चियां उठाते हुए दिखाया गया है।इस घटना के बाद, चुनाव आयोग ने संबंधित सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पुष्टि की कि एआरओ को लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिलाधिकारी को भी मौके पर जाँच के बाद विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों ने दोहराया कि इस घटना का मतदान प्रक्रिया पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और चुनाव की निष्पक्षता बरकरार रही। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में वास्तविक मतदान शुरू होने से पहले, पार्टी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली का परीक्षण करने के लिए मॉक पोल आयोजित किए जाते हैं। मतदान शुरू होने से पहले इन परीक्षणों का डेटा मिटा

बिहार चुनाव का गेम चेंजर कौन? प्रशांत किशोर ने किया बड़ा खुलासा, बताया असली समीकरण

एजेंसी।

पटना बिहार। प्रशांत किशोर ने बिहार चुनाव 2025 में प्रवासी मजदूरों और युवाओं को असली एक्स फैक्टर बताया, जो बदलाव के लिए जन सुराज को वोट दे रहे हैं। उनका तर्क है कि ये मतदाता अब रोजगार और उद्योग की कमी के कारण एनडीए के बजाय एक नया विकल्प तलाश रहे हैं, जिससे मतदान पैटर्न में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है।जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में चल रहे विधानसभा चुनावों में महिलाएं नहीं, बल्कि प्रवासी मजदूर और युवा असली एक्स फैक्टर हैं। सुपौल में पत्रकारों से बात करते हुए, पूर्व चुनावी रणनीतिकार ने दावा किया कि युवा और प्रवासी मजदूर बदलाव के लिए वोट देने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिक अपने परिवारों के साथ मतदान करने के लिए बड़ी संख्या में घर वापस आ रहे हैं। प्रवासी श्रमिक पहले एनडीए को वोट देते थे क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इस बार वे उनकी पार्टी को वोट दे रहे हैं।प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री पहले राजद के श्जंगल राजश का डर फैलाकर प्रवासी मजदूरों और आम जनता के वोट बटोरते थे। लेकिन, उन्हें मौजूदा जमीनी हालात का अंदाजा नहीं है। जिन लोगों को बिहार में श्जंगल राजश के फिर से उभरने की आशंका थी, उन्हें इस चुनाव में जन सुराज में एक विकल्प दिखाई दे रहा है। किशोर ने दावा किया कि कांग्रेस का श्वोट चोरीश का आरोप बिहार चुनाव में कोई मुद्दा नहीं है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार में ष्जमीन नहींष वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए, उन्होंने सवाल उठाया कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के लिए जमीन तो उपलब्ध है, लेकिन उद्योग लगाने और बिहार के युवाओं को रोजगार देने के लिए जमीन नहीं। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि पहले, प्रवासी मजदूर एनडीए को वोट देते थे... आज नहीं दे रहे। वे बिहार में कारखाने और रोजगार चाहते हैं... गृह मंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि बिहार में कारखानों के लिए जमीन नहीं है... आप लोगों को उनसे पूछना चाहिए कि अगर कारखानों के लिए जमीन नहीं है, तो पंजाब और बंगाल को गुजरात से जोड़ने वाली बड़ी सड़कें बनाने के लिए बिहार में जमीन कहाँ से आई? अगर आप सड़कें, राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना चाहते हैं, तो बिहार में जमीन है, लेकिन अगर आप बिहार के बच्चों के लिए कारखाने बनाना चाहते हैं, तो यहाँ जमीन नहीं है।इससे पहले, उन्होंने जोर देकर कहा कि भारी मतदान यह दर्शाता है कि बिहार के लोग बदलाव चाहते हैं और उन्होंने जन सुराज को एक नए राजनीतिक विकल्प के रूप में पेश किया है। उन्होंने कहा, षकिसी ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि बिहार में देश के राजनीतिक इतिहास में सबसे ज्यादा मतदान होगा। सर्वेक्षणों की संख्या दर्शाती है कि बिहार में बदलाव निश्चित रूप से आ रहा है।

उपराष्ट्रपति राधा कृष्णन नौ नवंबर को कर्नाटक का दौरा करेंगे

एजेंसी।

नई दिल्ली यह अकादमी जगद्गुरु श्री वीरसिंहासन महासंस्थान मठ, सुत्तूर श्रीक्षेत्र से संबद्ध है। वह कर्नाटक के सबसे प्रमुख मठ केंद्रों में से एक, सुत्तूर मठ के पुराने परिसर का भी दौरा करेंगे।उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन नौ नवंबर को कर्नाटक की यात्रा पर आएंगे। उपराष्ट्रपति बनने के बाद राज्य की उनकी यह पहली यात्रा होगी। राधाकृष्णन ने 12 सितंबर को भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला। यात्रा योजना के अनुसार, वह इस दौरान हासन, मैसूर और मांड्या जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे और विभिन्न स्थानों का दौरा करेंगे।एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपराष्ट्रपति परमपूज्य आचार्य श्री 108 शांति सागर महाराज जी की स्मृति में आयोजित समारोह में भाग लेंगे और श्रवणबेलगोला, हासन में जैन मुनि और आध्यात्मिक नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसमें कहा गया है कि यह आयोजन 1925 में चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शांति सागर महाराज की श्रवणबेलगोला की पहली यात्रा के शताब्दी वर्ष का प्रतीक है।इस स्मरणोत्सव के दौरान राधाकृष्णन आचार्य की मूर्ति की स्थापना समारोह और चौथी पहाड़ी के नामकरण समारोह में भी भाग लेंगे। बाद में, उपराष्ट्रपति मैसूर में जेएसएस उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी के 16वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगे, और स्नातक छात्रों को संबोधित करेंगे।यह अकादमी जगद्गुरु श्री वीरसिंहासन महासंस्थान मठ, सुत्तूर श्रीक्षेत्र से संबद्ध है। वह कर्नाटक के सबसे प्रमुख मठ केंद्रों में से एक, सुत्तूर मठ के पुराने परिसर का भी दौरा करेंगे।

राष्ट्रपति मुर्मू अंगोला और बोत्सवाना की यात्रा पर रवाना

एजेंसी।

नई दिल्ली सचिव ने कहा, "हमें विश्वास है कि माननीय राष्ट्रपति जी की यात्रा से अंगोला और बोत्सवाना के साथ भारत के दीर्घकालिक सहयोगात्मक संबंध और मजबूत होंगे तथा सहयोग और हमारी साझेदारी के विस्तार के लिए नए रास्ते खुलेंगे।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय राजकीय यात्रा पर रवाना हुईं। यह यात्रा अफ्रीकी क्षेत्र में दोनों देशों के साथ सहयोग और साझेदारी बढ़ाने के नए रास्ते खोलने के भारत के प्रयासों का हिस्सा है। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा होगी। अपनी यात्रा के पहले चरण में, मुर्मू अंगोला की राजधानी लुआंडा पहुंचेंगी और आठ से 11 नवंबर के बीच उच्च स्तरीय बैठकें करेंगी।मुर्मू अपने अंगोलाई समकक्ष जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी और अफ्रीकी राष्ट्र की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भाग लेंगी। उनका अंगोला की संसद को संबोधित करने और उस देश में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करने का भी कार्यक्रम है। भारत और अंगोला इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं।

वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा अभियान पूरा, 17.95 लाख से अधिक हस्ताक्षर दिल्ली रवाना आराधना मिश्रा मोना ने साधा भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भाजपा और चुनाव आयोग की कथित मिलीभगत से पूरे देश में हो रही वोट चोरी के खिलाफ चलाए गए वृहद जनजागरूकता अभियान की सभी चरणों की प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। इस अभियान की विस्तृत जानकारी देने के लिए आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जिसमें उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी.एल. पुनिया (सांसद), सांसद किशोरी लाल शर्मा, सांसद उज्जवल रमण सिंह, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, निवर्तमान कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी के नेतृत्व में 7 अगस्त 2025 से देशव्यापी अभियान ''वोट चोर गद्दी छोड़'' की शुरुआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को जागरूक कर लोकतंत्र के संरक्षण की दिशा में जनआंदोलन खड़ा करना था। उन्होंने बताया कि 12 और 13 अगस्त को उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर राहुल गांधी की प्रेसवार्ता को प्रोजेक्टर और वीडियो के माध्यम से दिखाया गया, जबकि 14 अगस्त को लखनऊ में कैंडल मार्च निकाला गया।इसके बाद 7 सितम्बर 2025 को सीतापुर के बिसवां में ''वोट चोर गद्दी छोड़'' राज्य स्तरीय रैली आयोजित की गई। 15 सितम्बर से 8 नवम्बर तक पूरे प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसके तहत 17,95,370 लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। ये सभी हस्ताक्षर अब दिल्ली भेजे गए हैं।मोना ने बताया कि नवंबर के अंतिम सप्ताह में दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली आयोजित की जाएगी, जिसमें पूरे देश से जुटाए गए 5 करोड़ हस्ताक्षर महामहिम राष्ट्रपति को सौंपे जाएंगे।उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में फॉर्म और दस्तावेज जमा करने के बावजूद मतदाता सूची से गैर–भाजपा मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। यही नहीं, हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी बड़े पैमाने पर वोट चोरी हुई। लगभग 2 करोड़ वोटरों में से 25 लाख वोट चोरी हुए यानी हर आठ में से एक वोट गायब था। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए बताया कि

हरियाणा में 5,21,619 डुप्लीकेट वोटर, 93,714 अमान्य पते, 19,26,351 थोक वोट और 1,12,417 नकली फोटो वाले वोट पाए गए।मोना ने कहा कि 3.5 लाख मतदाताओं के नाम लोकसभा चुनाव 2024 में वोट डालने के बाद विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हटा दिए गए। उन्होंने इसे ''ैप्त्'' यानी 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के नाम पर चल रही वोट चोरी की नई साजिश बताया।उन्होंने कहा कि 1960 का लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम स्पष्ट रूप से कहता है कि पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, न कि मतदाताओं की। लेकिन अब आयोग ने यह जिम्मेदारी मतदाताओं पर डाल दी है, जो असंवैधानिक है। सुप्रीम कोर्ट के 1995 के फैसले कृ लाल बाबू हुसैन बनाम इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर कृ का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि नागरिकता निर्धारण चुनाव आयोग का कार्य नहीं है, बावजूद इसके ईसीआई इस दिशा में मनमानी कर रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में ईसीआई ने जिस तरह से दस्तावेज मांगे, उससे अगर सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप न किया होता तो 2 से 3 करोड़ गरीब मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाते। प्रेसवार्ता के बाद कांग्रेस के ''वोट चोर गद्दी छोड़'' अभियान के तहत पूरे प्रदेश से जुटाए गए हस्ताक्षर फार्मों से लदी गाड़ी को आराधना मिश्रा मोना, पी.एल. पुनिया, किशोरी लाल शर्मा और उज्जवल रमण सिंह ने पार्टी का झंडा दिखाकर दिल्ली के लिए रवाना किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ''वोट चोर गद्दी छोड़'' के नारे लगाते हुए अभियान को जनआंदोलन में बदलने का संकल्प लिया।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई गोमतीनगर में मुठभेड़ के बाद शातिर चेन स्नैचर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, एक बदमाश घायल

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन अंतर्गत थाना गोमतीनगर की पुलिस व सर्विलांसध्क्राइम टीम ने शुक्रवार देर रात मुठभेड़ के बाद शातिर चेन स्नैचर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक अभियुक्त के पैर में गोली लगी जबकि दूसरा भागने के प्रयास में दबोचा गया। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध असलहा, कारतूस, चोरी के सोने के टुकड़े, नकदी, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान शिवम गुप्ता (28 वर्ष), निवासी जानकी विहार कॉलोनी, जानकीपुरम नार्थ, मूल निवासी लखीमपुर खीरी, और मो. अनस (24 वर्ष), निवासी ग्राम गवाहिया, थाना कमलापुर, सीतापुर के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ लूट, छिनैती और चोरी के कई मामले लखनऊ के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।घटना का खुलासा तब हुआ जब 30 अक्तूबर और 2 नवम्बर 2025 को गोमतीनगर क्षेत्र के विशालखण्ड और हेल्थ सिटी अस्पताल के पास दो अलग–अलग चेन स्नेचिंग की घटनाएं हुईं। दोनों मामलों में अज्ञात बाइक सवारों ने राहगीरों की गर्दन से सोने की चेन झपट ली थी। पुलिस ने घटनाओं के खुलासे के लिए सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद ली।7 नवम्बर की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम दयाल चौराहे के पास चेकिंग कर रही थी, तभी एक पल्सर बाइक पर दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बाइक सवारों में से एक ने पुलिस पर फायर कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक युवक के पैर में गोली लगी जबकि उसका साथी मौके से भाग निकला। बाद में उसे जनेश्वर पार्क की ओर से पकड़ा गया।घायल शिवम गुप्ता को उपचार के लिए सीएचसी चिनहट भेजा गया। पुलिस ने मौके से एक देशी तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, नकद 11 हजार रुपये, चार पीली धातु की चौन के टुकड़े, एक मोटोरोला मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक (न्द्व32च्ड9908) बरामद की।पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों अभियुक्तों ने हाल ही में गोमतीनगर, कृष्णानगर और विभूतिखंड क्षेत्र में लूट की वारदातें की थीं। इनके खिलाफ दर्ज मामलों में मु.अ.सं. 514ध्2025, 515ध्2025 (थाना गोमतीनगर), 483ध्2025 (थाना कृष्णानगर) और 388ध्2025 (थाना विभूतिखंड) शामिल हैं।शिवम गुप्ता पर इससे पहले अलीगंज, बंथरा, चौक, गुडम्बा, पीजीआई, हसनगंज और विकासनगर थानों में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मो. अनस के खिलाफ भी विकासनगर थाने में वर्ष 2020 और 2023 में लूट व चोरी के मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। पुलिस दोनों के आपराधिक नेटवर्क की विस्तृत जांच कर रही है।गिरफ्तारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश चंद्र तिवारी के नेतृत्व में उपनिरीक्षक त्रिविक्रम सिंह, जसीम रजा, सागर कुमार, सचिन केसरवानी, राखी सिंह, हिमांशु सिंह, कमल नयन राजपूत सहित कांस्टेबल शुभम कुमार, अंकुर चौधरी, आकाश यादव, सुनील कुमार और सर्विलांस टीम पूर्वी जोन की भूमिका रही।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दोनों अभियुक्त पेशेवर अपराधी हैं, जो शहर में राहगीरों को निशाना बनाकर चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देते थे। इनसे बरामदगी के आधार पर कई पुराने मामलों के खुलासे की संभावना है।

बिजनौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई बन्द घरों में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, ज्वैलरी, नगदी और कार बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन के थाना बिजनौर की पुलिस टीम ने बन्द पड़े घरों में चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की गई ज्वैलरी, 46,500 रुपये नगद और घटना में प्रयुक्त हुंडई औरा कार बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान संदीप कुमार रावत उर्फ छोटू (28 वर्ष), निवासी ग्राम ख्वाजापुर औरंगाबाद खालसा, थाना आशियाना तथा मोनू रावत (38 वर्ष), पुत्र रामअवतार, निवासी ग्राम ख्वाजापुर औरंगाबाद खालसा, थाना आशियाना के रूप में हुई है।घटना 23 अक्टूबर 2025 की है जब ओमेक्स सिटी, बिजनौर रोड निवासी अरुण यादव अपने घर से बाहर गए हुए थे। वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर की खिड़की की ग्रिल और दरवाजे पर लगे कैमरे टूटे हुए हैं। घर के अंदर जाने पर पता चला कि अलमारी से कैश और गहने चोरी हो गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये थी। इस पर थाना बिजनौर में मामला दर्ज कर पुलिस टीमों का गठन किया गया।पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल व तकनीकी साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान यह सामने आया कि चोरी की वारदात में क्षेत्र के दो शातिर अपराधी शामिल हैं। पुलिस ने 8 नवम्बर 2025 को न्यू गुडौरा अंडरपास सर्विस लेन से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभियुक्तों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने यह चोरी सोची–समझी योजना के तहत की थी।जांच में सामने आया कि मोनू रावत की पत्नी राधिका ओमेक्स सिटी में कई घरों में काम करती है। उसने ही अपने पति को बन्द पड़े मकानों की जानकारी दी थी। इसी सूचना के आधार पर मोनू और उसका साथी संदीप रात में घर का दरवाजा तोड़कर भीतर घुसे और नकदी व गहनों की चोरी की। पुलिस ने बताया कि चोरी के बाद संदीप की पत्नी राजकुमारी चोरी के गहने और रुपये लेकर फरार हो गई। दोनों महिलाओं की तलाश जारी है।पुलिस ने बरामदगी में एक चेन, दो रिंग, दो ब्रेसलेट, चार बच्चों के कड़े, एक सिक्का, एक जोड़ी पायल, 46,500 रुपये नगद और सफेद रंग की हुंडई औरा कार (न्च्32ग्छ7536) जब्त की है।अभियुक्त संदीप रावत का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसके खिलाफ आशियाना, गाजीपुर और पीजीआई थानों में लूट और चोरी के एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह कई बार जेल जा चुका है। वहीं मोनू रावत के खिलाफ भी बिजनौर थाने में मामला दर्ज किया गया है।थाना बिजनौर पुलिस ने मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी करते हुए दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि यह गैंग लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों में बन्द पड़े घरों को निशाना बनाता था और मौका देखकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस अब फरार अभियुक्ताओं की गिरफ्तारी और शेष चोरी गए सामान की बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

सड़क सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी इसे अपनी आदत बनाएं - पवन कुमार पाण्डेय

प्रयागरा/ध्यातायात माह के अंतर्गत पुलिस उपायुक्त यातायात लाइन नीरज पाण्डेय के निर्देशन में नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यातायात इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय , विशिष्ट अतिथि थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र विपिन पाल ने बीएनएस व साइबर के बारे धाराओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों नका स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इंस्पेक्टर पवन कुमार पाण्डेय ने छात्रों को बताया कि सड़क सुरक्षा सबकी जिम्मेदारी है, इसे आदत बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर बच्चों को स्कूल में पढ़ाई के समय से ही यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया जाए तो सड़क हादसों की संख्या स्वतः घट जाएगी।

शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्मार्ट सिग्नल सिस्टम, सीसीटीवी निगरानी और एआई आधारित ट्रैफिक कंट्रोल जैसी आधुनिक तकनीक शामिल की गई हैं। जागरूकता के दौरान यातायात नियमों के प्रति जैसे सड़क के प्रकार,सड़क चिन्ह,गोल्डन आवर,गुड सेमेरिटन के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

यह सभी के सहयोग से संभव होगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि 18 साल से कम उम्र के बच्चों को वाहन न चलाने दें। यातायात नियमों का पालन तभी संभव रहेगा, जब लोग उनकी उपयोगिता समझकर जिम्मेदारी से पालन करेंगे। हेलमेट, सीट बेल्ट और संयम से गाड़ी चलाना ही जीवन की गारंटी है। कार्यक्रम के अंत में छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।कार्यक्रम के दौरान संस्थान के प्रधानाचार्य कौशर जी, प्रभाकर तिवारी, समाजसेवी नितीश शुक्ल अन्य सदस्य मौजूद रहे।

लखनऊ में होने जा रही भारत स्काउट एवं गाइड की डायमंड जुबली जंबूरी की तैयारियाँ तेज, नगर आयुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी लखनऊ इस वर्ष एक ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी करने जा रही है। भारत स्काउट एवं गाइड की डायमंड जुबली जंबूरी तथा 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन 23 से 29 नवंबर 2025 तक वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो क्षेत्र में प्रस्तावित है। इस भव्य राष्ट्रीय आयोजन में देशभर से लगभग 30,000 स्काउट–गाइड, यूनिट लीडर्स और 1,500 विदेशी प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम और अन्य विभागों की तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं।शनिवार को नगर निगम लखनऊ के नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने डिफेंस एक्सपो परिसर में पहुंचकर स्थल की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अपेक्षित तैयारियों की धीमी गति पर असंतोष जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, जोन–8 के जोनल अधिकारी विकास सिंह, मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा, मुख्य अभियंता (आरआर) मनोज प्रभात, जोनल सेनेटरी अधिकारी जितेंद्र गांधी, लायन एनवायरो टीम, आवास विकास परिषद और लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता मौजूद रहे।नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल और उसके आस–पास के क्षेत्र में पर्याप्त बिजली और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि अंधेरे की कोई स्थिति न रहे। सभी बिजली के खंभों पर स्पाइरल लाइट लगाने का आदेश दिया गया तथा मुख्य अभियंता (आरआर) को प्रकाश पोल की सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए।स्वच्छता और कचरा प्रबंधन को लेकर नगर आयुक्त ने कहा कि चूंकि आयोजन में हजारों प्रतिभागी शामिल होंगे, इसलिए सफाई व्यवस्था में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। जोनल सेनेटरी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी सफाई कर्मियों की बीट वाइज ड्यूटी तय की जाए और निगरानी का दायित्व पदानुक्रम के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। सूखे और गीले कचरे के पृथक संग्रहण और समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया।हरियाली और सौंदर्यीकरण के तहत आवास विकास विभाग को पेड़ों की छटाई और क्षेत्र की साफ–सफाई तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सभी विभागों को सख्त निर्देश दिए कि सभी तैयारियाँ 14 नवंबर तक हर हाल में पूरी कर ली जाएँ। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपना विस्तृत ब्लूप्रिंट प्रस्तुत करे, जिसमें यह स्पष्ट हो कि कौन सा कार्य किस अधिकारी और विभाग की जिम्मेदारी है, ताकि किसी भी प्रकार के भ्रम या देरी की स्थिति न बने।नगर निगम के अनुसार, यह आयोजन न केवल लखनऊ की पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा बल्कि राजधानी की आतिथ्य, स्वच्छता और व्यवस्थापन क्षमता की भी बड़ी परीक्षा साबित होगा।

बीबीएयू में आईपीजीए का 37वां वार्षिक सम्मेलन सम्पन्न, एआई और फार्मासिस्ट की भूमिका पर हुई व्यापक चर्चा

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में 8 नवंबर को इंडियन फार्मेसी ग्रेजुएट्स एसोसिएशन (आईपीजीए) उत्तर प्रदेश राज्य शाखा और विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "इनोवेशन एट द क्रॉसरोड्सकृफार्मासिस्ट, एआई और रोगी देखभाल का भविष्य" विषय पर आईपीजीए का 37वां एकदिवसीय वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 1500 शिक्षक, शोधकर्ता और विद्यार्थी शामिल हुए।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मानव की व्यक्तिगत समझ, अनुभव और निरीक्षण की जगह नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि दवा नियंत्रण विभाग देश के नागरिकों को सुरक्षित और प्रभावी दवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।विशिष्ट अतिथि के रूप में सीबीएमआर, लखनऊ के निदेशक डॉ. आलोक धवन ने बायोमेडिकल क्षेत्र में एआई के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी और इस विषय पर एक इंटरैक्टिव कार्यशाला का संचालन किया। वहीं आईसीएमआर, नई दिल्ली की वैज्ञानिक–जी डॉ. तरुणा मदन ने अपने कीनोट सत्र में एआई आधारित दवा खोज (।प्–कतपअमद क्तनह क्पेबवअमतल) और स्मार्ट फार्मेसी प्रैक्टिस पर विस्तार से प्रकाश डाला।सम्मेलन में आईपीजीए अध्यक्ष डॉ. अतुल नासा, सचिव डॉ. अरुण गर्ग, स्थानीय आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. दीपेन्द्र सिंह, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. आकाश वेद, आयोजन सचिव डॉ. प्रणय वाल, सह–संयोजक प्रो. पी.एस. रजनीकांत तथा मोटिवेशनल स्पीकर एवं उद्यमी सचिन राजाराम कुम्भोजे ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।कार्यक्रम के दौरान मौखिक और ई–पोस्टर प्रस्तुतियां, वैज्ञानिक सत्र, पैनल चर्चा और उन्नत अनुसंधान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इनमें फार्मास्युटिकल विज्ञान, दवा विकास, नैदानिक अभ्यास और स्वास्थ्य सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर विशेष रूप से चर्चा हुई। प्रतिभागियों द्वारा भेजे गए चयनित

सारांशों को सम्मेलन की स्मारिका सह एब्स्ट्रैक्ट बुक में प्रकाशित किया गया, जिसका विमोचन उद्घाटन सत्र के दौरान किया गया।सम्मेलन का आकर्षण रहा 'कैम्पस टू कॉरपोरेटरू फार्मा में एआई का समावेश' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा, जिसमें असिस्टेंट ड्रग्स कंट्रोलर (इंडिया) डॉ. अजय सचान, सीएसआईआर–सीडीआरआई के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पी.एम.एस. चौहान, रेसीफार्म बैंगलोर के उपाध्यक्ष डॉ. बालासुब्रमण्यम जगदीश, जीएमएन कॉलेज

राष्ट्रीय शहरी कान्क्लेव में उत्तर प्रदेश के शहरी विकास माडल की गूंज, मंत्री ए.के. शर्मा ने साझा की प्रदेश की उपलब्धियां

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव में शनिवार को उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रतिभाग किया। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य शहरी विकास के क्षेत्र में साझा रणनीति बनाना और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करना था।कार्यक्रम में देशभर से आए शहरी विकास विशेषज्ञों, नीति–निर्माताओं और विभिन्न राज्यों के नगर विकास मंत्रियों ने क्षेत्र नियोजन, शहरी गतिशीलता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, क्षमता निर्माण, सुलभ आवास योजना, सतत शहरी ढांचा और शहरी आजीविका जैसे विषयों पर गहन चर्चा की।मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश में हो रहे व्यापक शहरी परिवर्तन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), अमृत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति हुई

है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन में कई अभिनव पहल की हैं कृ जैसे घर–घर डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण, कचरे से कंपोस्ट उत्पादन, और नालों की सफाई व ट्रीटमेंट के लिए आधुनिक तकनीक का प्रयोग।शर्मा ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि नगर निकाय केवल सेवा प्रदाता न बनें, बल्कि शहरी विकास के सक्रिय भागीदार बनें। इसके लिए नागरिकों की भागीदारी, जनजागरूकता और तकनीकी सक्षमता को बढ़ाना आवश्यक है।" उन्होंने 'यूपी दर्शन पार्क' को प्रदेश के उत्कृष्ट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का प्रतीक बताया।कॉन्क्लेव के दौरान उत्तर प्रदेश के शहरी विकास मॉडल की विशेष रूप से सराहना की गई। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने कहा कि यूपी ने स्वच्छता,

वीरांगना ऊदा देवी पासी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण 16 नवंबर को, नगर आयुक्त ने किया स्थल निरीक्षण

लखनऊ(आरएनएस)। देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अपने अदम्य साहस और बलिदान से इतिहास में अमर हुई वीरांगना ऊदा देवी पासी की स्मृति में राजधानी लखनऊ के इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड क्षेत्र के सेक्टर–19 पासी चौराहा, वृंदावन कॉलोनी पीपरीखेड़ा के समीप उनकी 21 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस प्रतिमा का अनावरण आगामी 16 नवंबर 2025 को देश के रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।अनावरण समारोह को ध्यान में रखते हुए नगर निगम लखनऊ सहित संबंधित विभागों ने तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में शनिवार को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने प्रतिमा स्थल और आसपास के क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग, पार्क, प्रवेश द्वार और आस–पास की व्यवस्थाओं की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान विधान परिषद सदस्य रामचंद्र सिंह प्रधान, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, एडीएम सिटी महेंद्र पाल सिंह, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, जोन–8 के जोनल अधिकारी विकास सिंह, नगर निगम के अन्य अधिकारीगण तथा आवास विकास परिषद के अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे।नगर आयुक्त ने आवास विकास विभाग के अधिकारियों को क्षेत्र में आने वाली सड़कों की मरम्मत और समतलीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिथियों, आगंतुकों और स्थानीय नागरिकों के लिए मार्ग पूरी तरह सुगम और व्यवस्थित होना चाहिए। पार्क की परिधि दीवार की रंगाई–पुताई कार्य को भी प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि आयोजन स्थल स्वच्छ और आकर्षक दिखे।नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता (आरआर) को यह भी निर्देशित किया कि बिजली पोलों पर अवैध रूप से लटके और उलझे तारों को तत्काल हटाया जाए, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और कार्यक्रम स्थल की सुंदरता बनी रहे।उन्होंने सभी विभागों को समन्वय और समयबद्धता के साथ तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए,

इंस्टीटयूट अश्फ लॉ एंड सोशल साइंस, छतनाग उपहार, झूंसी, प्रयागराज

सारनाथ के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

प्रयागराज,

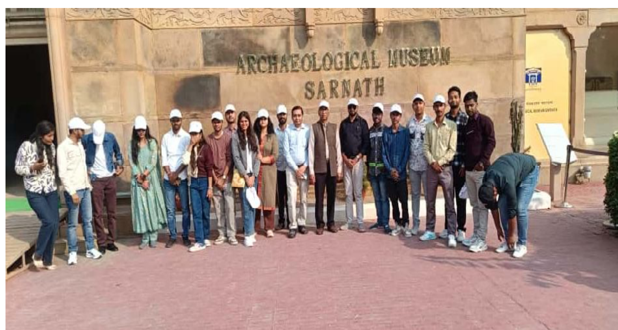

इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड सोशल साइंस, छतनाग उपहार, झूंसी, प्रयागराज द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। यह भ्रमण सारनाथ (वाराणसी) के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को ऐतिहासिक एवं विधिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्रदान करना था।

इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक, धार्मिक एवं न्यायिक परंपराओं से अवगत कराना था, जिससे वे सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त कर सकें।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने धमेख स्तूप, सारनाथ पुरातत्व संग्रहालय, तथा मूलगंध कुटी विहार जैसे ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश और भारतीय न्याय व्यवस्था की नैतिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

संस्थान के प्राध्यापकों ने भ्रमण के दौरान छात्रों का मार्गदर्शन किया तथा बताया कि किस प्रकार सारनाथ का ऐतिहासिक महत्व भारतीय विधि और सामाजिक न्याय की नींव से जुड़ा हुआ है।

भ्रमण की शुरुआत संस्थान के निदेशक पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.) कविंद्र प्रताप सिंह तथा अकादमिक निदेशक ओ.पी. तिवारी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर की। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण छात्रों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान करते हैं तथा उनके ज्ञान को समृद्ध बनाते हैं।

इस भ्रमण में छात्रों और छात्राओं ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। भ्रमण के दौरान उन्हें ऐतिहासिक धरोहरों के साथ–साथ विधि और न्याय व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त करने का अवसर मिला।

संस्थान के प्राचार्य श्री अजीत सिंह, सहायक आचार्य श्री संदीप श्रीवास्तव, प्रज्ञा श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षण स्टाफ भी इस यात्रा में सम्मिलित रहे।

संस्थान के प्रबंधन ने इस कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक भ्रमणों का आयोजन किया जाता रहेगा जिससे छात्र–छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

संस्कृति एवं विरासत क्लब के जरिए बनेगें भारत भाग्य विधाता-न्यायमूर्ति सुधीर नारायण

विजडम इंडिया

प्रयागराज। विनोद द्विवेदी–जिला संवाददाता। संस्कृति एवं विरासत क्लब के जरिए बनेगें भारत भाग्य विधाता। विरासत को संजोने में देर जरूर हुई लेकिन अब इस क्लब के माध्यम से हर विद्यालय में संस्कृति और विरासत पर चर्चा होगी तथा भारत के भाग्य विधाता और नैतिक नागरिक को गढ़ा जायेगा।

उक्त बातें आज राजकीय इण्टर कालेज में न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने जनपद के संस्कृति एवं विरासत क्लब के उद्घाटन के अवसर पर कही।

प्रयागराज विद्वत परिषद और भारत भाग्य विधाता द्वारा जनपद के समस्त स्कूलों में संस्कृति एवं विरासत क्लब का गठन करके विरासत और संस्कृति के जरिए भारत भाग्य विधाता के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस अवसर पर लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडे ने कहा कि प्रयागराज में प्रधानाचार्य गुरुओं से बड़ी अपेक्षा है। प्रयागराज वह स्थान था जिसने देश को दिशा दी है, आध्यात्म विज्ञान की नगरी रही यहीं पर हवाई जहाज का आविष्कार हुआ।

हमें अपने गौरव को पुनर्स्थापित करना है इसमें आप सभी गुरुओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक पी के सिंह ने कहा कि यह हम गुरुओं का दायित्व है कि बच्चे जो कच्ची मिट्टी के समान है। इनके अंदर प्रबल राष्ट्र प्रेम और नैतिक नागरिक बनने का कार्य करना है।

संयोजक वीरेंद्र पाठक ने बताया कि विद्यालय में राष्ट्र भक्तों महापुरुषों के नाम से संस्कृति एवं विरासत क्लब बनेगा शहीदों महापुरुषों की आजाद गाथा सुन कर उनसे चर्चा करके उनके अंदर राष्ट्र प्रेम की भावना भरना है।

इस अवसर पर प्रयागराज के इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डा प्रभाकर त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम में प्रश्न उत्तर का दौर भी चला। इसमें डा मोरार जी त्रिपाठी ने भी अपना विचार व्यक्त किया।डा श्रवण मिश्र शशिकांत मिश्र सुनीता जी आदि भी शामिल रहे।

राणा प्रताप पीजी कालेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सुलतानपुर(आरएनएस)। सभ्यतायें नष्ट होती रहती हैं लेकिन संस्कृति के तत्व कभी समाप्त नहीं होते ।अपनी विरासत को सहेज कर उसे अगली पीढ़ी को सौंपना हम सबका उत्तरदायित्व है। संयुक्त परिवार और उत्सव नई पीढ़ी को पुरानी परम्पराओं से जोड़ते हैं। इसलिए इन्हें सहेजने की आवश्यकता है। यह बातें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल कुमार ने कहीं। वह राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय व उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत की सांस्कृतिक धरोहर और अभिलेख संरक्षण की चुनौतियां विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वैदिक काल में एक परिवार में एक ही रक्त से जुड़े लोग अलग अलग वर्ण के होते थे । कालांतर में आई विकृतियों के कारण वर्ण व्यवस्था का अर्थ ही बदल दिया गया। भारत की आश्रम व्यवस्था और संस्कार पद्धति पूरी तरह से वैज्ञानिक है। इसको ठीक तरह से समझे बिना ही खारिज करना गलत है। इस कारण समाज में अनेक कुरीतियां पैदा हो रही हैं। अध्यक्षता करते हुए मुम्बई विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रामजी तिवारी ने कहा कि आज की पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने की जरूरत है।सुलतानपुर की सबसे बड़ी ऐतिहासिक धरोहर कुड़वार का गढ़ा धाम यहां के लोगों की उदासीनता के कारण नष्ट हो गया। महात्मा बुद्ध ने गढ़ा आकर यहां के क्षत्रियों को दीक्षा दी थी। हम अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित ही नहीं रख पाए इसके लिए कोई बाहरी ताकत या विदेशी दोषी नहीं हैं। पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के अभिषेक गुप्त व दिल्ली विश्वविद्यालय की शिखा यादव ने शोध पत्र प्रस्तुत किया। इस अवसर पर क्षत्रिय शिक्षा समिति के सचिव रमेश सिंह टिन्नू, पूर्व प्राचार्य डॉ एस बी सिंह, डॉ एम पी सिंह विसेन , पूर्व समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ एम पी सिंह आदि उपस्थित रहे।

एस एस बी में खेली गई वालीबाल प्रतियोगिता

59 वाहिनी ने की इंटर बटालियन एवं इंटर सेक्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी59 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, नानपारा में इंटर बटालियन एवं इंटर सेक्टर वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्रक

मुख्यालय लखीमपुर खीरी एवं क्षेत्रक मुख्यालय गोरखपुर की टीमों ने हिस्सा लिया।दिनांक 08 नवम्बर 2025 को हुए फाइनल मुकाबले में पुरुष वर्ग में क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी की टीम ने क्षेत्रक मुख्यालय गोरखपुर को 3दृ0 से पराजित किया। इसी प्रकार महिला वर्ग में भी लखीमपुर खीरी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3दृ0 से जीत दर्ज की। दोनों वर्गों में क्षेत्रक मुख्यालय लखीमपुर खीरी विजेता रही।प्रतियोगिता का समापन 59 वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट श्री पंकज कुमार ठाकुर द्वितीय कमान अधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल और ट्रॉफी प्रदान की गई।इस अवसर पर कार्यवाहक कमांडेंट श्री पंकज कुमार ठाकुर ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और आपसी समन्वय को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

प्रयागराज के देवबरा धाम, हंडिया में पूज्य राजन जी महाराज के मुखारविंद से प्रवाहित होगी राम कथा गंगा

29 मार्च 2026 से प्रारंभ होगी कथा, राधे मोहन पाडेय जी हैं आयोजक मंडल के अध्यक्ष

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी)राम कथा सुंदर करतारी। संशय विहग उड़ावन हारी। त्रेतायुग युग में अवतरित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम

के चौदह वर्ष के वनवास अवधि में जिस पवित्र तीर्थराज प्रयाग की पावन धरा पर प्रभु का आगमन हुआ था उसी प्रयागराज के हंडिया स्थित देवबरा धाम से पूज्य श्री राजन जी महाराज द्वारा राम कथा रूपी गंगा प्रवाहित होने वाली है। बता दें कि प्रयागराज के हंडिया स्थित देव बरा धाम में नौ दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें श्री राम कथा के सरस वाचक प्रेम मूर्ति पूज्य संत श्री प्रेमभूषण जी महाराज के कृपा पात्र पूज्य राजन जी महाराज के द्वारा श्री राम कथा का गायन किया जाएगा। यह कथा 29 मार्च 2026 से 06 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जाएगी ।कथा के प्रमुख आयोजक श्री राधे मोहन पांडे जी ने जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य राजन जी महाराज द्वारा नौ दिवसीय राम कथा का आयोजन किया जाएगा । सभी क्षेत्र वासी पूरी लगन से रामकथा की तैयारी में लगे हुए हैं।बता दें कि राधे मोहन पांडेय एवं उनकी पूरी टीम का राम भक्ति और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था है इसलिए उन्होंने अपने गांव में सर्व समाज के लोगों को श्री राम कथा का रसपान कराने का संकल्प लिया, और इस संकल्प की पूर्ति 29 मार्च 2026 से श्री राम कथा से हो रही है। बता दे कि इस कथा की तैयारी बहुत जोर शोर से चल रही है। बड़े क्षेत्र में कथा पंडाल, अतिथियों के आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए जमीन का प्रबंध किया जा रहा है। कथा के प्रारंभ में कलश यात्रा पूरे नगर में धूमधाम से निकली जाएगी। पूरे क्षेत्र में राम कथा के प्रति अपार श्रद्धा और उल्लास देखा जा रहा है। पूरे क्षेत्र के लोग इस राम कथा के आयोजन में पूरी तरह से लगे हुए हैं।

समाज को बनाए रखने में अधिवक्ता व शिक्षक की भूमिका अहम एस. चंद्रा

-एसएसवी इंटर कालेज के पंडित दीनदयाल सभागार में हुआ सम्मान समारोह

अयोध्या(आरएनएस)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ स्थित अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पंडित एस. चंद्रा ने कहा कि अधिवक्ता और शिक्षक विभिन्न पदों पर रहकर देश और समाज की उत्कृष्ट सेवा करते हैं। इसके कई उदाहरण है, जो समाज के सामने है। वह शनिवार को एसएसवी इंटर कॉलेज के पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने में अधिवक्ता और शिक्षक का अहम योगदान होता है। अधिवक्ता न्यायपालिका जबकि शिक्षक सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जैसे पद को कई अधिवक्ता और शिक्षकों ने सुशोभित किया है। एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य व प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेशीय कोषाध्यक्ष डॉ. मणि शंकर तिवारी ने स्वागत संबोधन में कहा कि यह सुखद अवसर है जब शिक्षक और अधिवक्ता एक मंच पर एक साथ हैं। उन्होंने कहा की न्यायपालिका सर्वोपरि है। धन्यवाद व्यक्त करते हुए एसएसवी स्कूल के अवकाश प्राप्त प्रधानाचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने अपने अनुभव को सभी से साझा किया। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में अधिवक्ता वर्ग समाज को दिशा प्रदान करते हैं। अवध बार कार्यकारणी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरिओम पांडेय, उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, संयुक्त सचिव गौरव श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। संचालन विवेकानंद पाण्डेय ने किया। इसके पहले प्रधानाचार्य डॉ. तिवारी, डॉ. त्रिपाठी सहित बच्चू लाल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य परिषद के कोषाध्यक्ष डॉ उदयभान सिंह, संरक्षण मंत्री डॉ रामकृष्ण मिश्रा, कार्यकारी मंडल अध्यक्ष अमित कुमार सिंह, आनंद सिंह, बृजेश सिंह, भरत कुमार व विद्यालय के शिक्षकों ने अतिथि एस चंद्रा और कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। देवेंद्र सिंह ने एस चंद्रा का बनाया हुआ पोट्रेट उन्हें भेंट किया। समारोह के आरंभ में मुख्य अतिथि अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पंडित एस. चंद्रा ने अपनी धर्मपत्नी आशा मिश्रा के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया। एसएसबी इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने शिक्षक अनिल मिश्रा के निर्देशन में स्वागत गीत प्रस्तुत किया तो हिंदी प्रवक्ता मनीष सक्सेना ने स्वस्तिवाचन किया। इस दौरान अवध बार एसोसिएशन के पदाधिकारी रंजना श्रीवास्तव, कौशल मणि त्रिपाठी, रुचि त्रिपाठी, दुर्गेश शुक्ला, प्रभाकर तिवारी, रविकांत मिश्र, आयुष मिश्रा, अभिषेक तिवारी, आशुतोष सिंह, मनीष यादव, ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव, सुनील कुमार, अभिषेक तिवारी सहित विद्यालय के शिक्षक महेश नारायण यादव, देवेंद्र मिश्रा, नंद किशोर उपाध्याय, सुरेंद्र देव तिवारी, कौशल कुमार, अक्षतेश्वर प्रसाद दुबे, राजेश सिंह, अशोक कुमार साहनी, अमर कुमार चतुर्वेदी, सुमन यादव, अनिल कुमार वर्मा, [illegible] पाण्डेय, [illegible] श्रीवास्तव

श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ 10 नवम्बर से

प्रयागराज (बहरिया)। कहली गांव में आगामी 10 नवम्बर से 16 नवम्बर 2025 तक श्रीमद्भागवत कथा एवं सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस पावन कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा व्यास पंडित चंद्रशेखर पाण्डेय जी द्वारा किया जाएगा।

आयोजन के अन्तर्गत 17 नवम्बर 2025 को हवन एवं पूर्णाहुति का कार्यक्रम संपन्न होगा तथा 18 नवम्बर 2025 को महाप्रसाद एवं भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

इस आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन अनंत श्री विभूषित परम पूज्य श्री राम हर्षण दास जी महाराज के आशीर्वाद का स्वरूप मानकर किया जा रहा है। आयोजन के मुख्य यजमान संतोष कुमारी एवं हृदयनाथ मिश्र (सुमंत)जी हैं। कार्यक्रम की संचालन श्री राजीव लोचन पाण्डेय जी करेंगे। कथा स्थल पर तैयारियों को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है। आयोजक मंडल के अवनीश मिश्रा ने अधिकाधिक श्रद्धालुओं से कथा श्रवण कर भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का रसपान करने एवं महाप्रसाद का लाभ लेने की अपील की है।

राष्ट्रीय एकता दौड़ की तैयारियां जोरों पर, पांचों पड़ावों पर सौंपी गई जिम्मेदारिया

—15 नवंबर को होगी भव्य जनसभा, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व प्रदेश महामंत्री संजय राय रहेंगे शामिल

अयोध्या(आरएनएस)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पखवाड़े के अंतर्गत 15 नवंबर को निकाली जाने वाली राष्ट्रीय एकता दौड़ की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। दौड़ के सफल आयोजन को लेकर पांचों पड़ावों पर कार्यकर्ताओं की बैठकें हुईं, जिनमें तैयारियों की समीक्षा कर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। दौड़ की शुरुआत आशा भगवान सिंह महाविद्यालय से होगी और समापन गंगौली चौराहे पर जनसभा के रूप में किया जाएगा ।जनसभा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। तैयारियों का जायजा क्षेत्रीय महामंत्री एवं महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह तथा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने लिया। बैठकों में विधायक गोसाईगंज अभय सिंह सहित भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे ।क्षेत्रीय महामंत्री एवं महानगर प्रभारी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दौड़ देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। ”सरदार वल्लभभाई पटेल ने जिस मजबूत और एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की दिशा में यह आयोजन प्रेरणास्रोत है। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं और प्रत्येक पड़ाव पर स्वागत एवं सहयोग समितियां बनाई गई हैं। ”आयोजन को अयोध्या की गरिमा के अनुरूप भव्य और अनुशासित बनाया जाएगा।

पहला पड़ाव की बैठक हनुमान मंदिर बिल्हर घाट, दूसरी सुरेंद्र पैलेस, तीसरी दुर्गापुर महाविद्यालय, चौथी गंगौली चौराहा, और अंतिम पड़ाव गंगौली चौराहे पर हुई। जनसभा स्थल पर मंच सज्जा, सुरक्षा व्यवस्था और स्वागत तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

बैठकों में शैलेन्द्र कोरी, गन्ना समिति के चेयरमैन दीपेन्द्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह रोहित, रामप्रीत वर्मा, सुरेन्द्र उपाध्याय, नंद कुमार सिंह, रमेश वर्मा, अमित तिवारी, कपिलदेव

गूंजे मुक्केबाजों के दमदार पंच

-के.एस.ई. कप बाक्सिंग चौम्पियनशिप का भव्य आगाज

अयोध्या(आरएनएस)। मुक्केबाजी के रोमांच और जोश से शनिवार को पूरा अयोध्या शहर सराबोर हो उठा, जब सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल के मैदान में ”के.एस.ई. कप सीनियर पुरुष बॉक्सिंग चौम्पियनशिप 2025” का रंगारंग शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। दोनों अतिथियों ने मुक्केबाजों से हाथ मिलाकर उनके मनोबल को ऊँचा किया और खेल भावना के साथ श्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का आरंभ विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने अनुशासित अंदाज में मार्च पास्ट किया। मुख्य अतिथियों की मौजूदगी में खिलाड़ियों को निष्पक्षता, अनुशासन और सौहार्द के साथ खेलने की शपथ दिलाई गई। बॉक्सिंग संघ के पदाधिकारियों व आयोजकों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर अतिथियों का स्वागत किया। तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि ”हर प्रतियोगिता में विजेता केवल पदक नहीं जीतता, बल्कि अपने स्थान और देश की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठाता है। खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और धैर्य का विकास करते हैं। जो हारता है, वह भी अनुभव लेकर अगली बार और बेहतर बनने की प्रेरणा प्राप्त करता है।” नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि ”खेलों का उद्देश्य केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना को सशक्त करना है। युवाओं को खेलों में भाग लेकर स्वस्थ, अनुशासित और ऊर्जावान समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। सरकार खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।“प्रतियोगिता के पहले दिन दो सत्रों में मुकाबले आयोजित हुए। उद्घाटन सत्र में कुल 17 रोमांचक मैच खोले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने दमदार पंच और बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन किया। 54 किलो भार वर्ग में चार मैच हुए। पहले मैच में उत्तर प्रदेश के जितेंद्र कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ के छत्रपाल को दूसरे राउंड में पराजित किया। दूसरे मुकाबले में दिल्ली के जतिन को हरियाणा के दीपक ने मात दी। तीसरे मैच में महाराष्ट्र के विधान सदानंद ने जीत दर्ज की। 60 किलो भार वर्ग में चौथे मुकाबले में उत्तराखंड के अंकित ने तमिलनाडु के पी. कालीदोस को हराया। इसी वर्ग में जम्मू–कश्मीर के धर्मेंद्र और कर्नाटक के पवन कुमार ने अपने–अपने मैच जीते। 67 किलो भार वर्ग में जम्मू–कश्मीर के महेश, पंजाब के जैलेश और दिल्ली के लोकेश ने शानदार जीत दर्ज की। वहीं, 71 किलो भार वर्ग में कर्नाटक के ए. श्रीधर, तमिलनाडु के के. दिनेश और हरियाणा के कृष विजेता रहे। 75 किलो भार वर्ग में दिल्ली के आर्यन और चंडीगढ़ के कमल शर्मा ने मुकाबला अपने नाम किया, जबकि 80 किलो वर्ग में त्रिपुरा के रॉबिन और उत्तर प्रदेश के सूर्या प्रताप ने विजयी पंच लगाए।

पूरे दिन दर्शक दीर्घा में मौजूद खेल प्रेमियों ने मुक्केबाजों का जोश बढ़ाया। हर पंच पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। खिलाड़ी जहां जीत की खुशी से उत्साहित दिखे, वहीं हारने वाले भी खेल भावना के साथ अगली बार बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लेते नजर आए। भारतीय एमेच्योर बॉक्सिंग महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष विशाल गुप्ता, ने बताया कि चौम्पियनशिप के आगामी चरणों में देशभर के प्रतिभाशाली मुक्केबाजों के बीच और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना और अयोध्या को राष्ट्रीय स्तर पर एक स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करना है। 10 नवम्बर को प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 09 नवंबर 2025
sheelshukla100@gmail.com

पूरे विश्व में भारतीय आर्थिक दर्शन को लागू करने का समय अब आ गया है

भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक "थर्ड वे" आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है।आज, वैश्विक स्तर पर कई देशों में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं, जिनका हल ये देश निकाल नहीं पा रहे हैं। आज विश्व के सबसे अधिक विकसित देश अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी, ऋण की राशि का असहनीय स्तर पर पहुंच जाना, विदेशी व्यापार में लगातार बढ़ता घाटा, नागरिकों के बीच आय की असमानता का लगातार बढ़ते जाना (अमीर नागरिक और अधिक अमीर हो रहे हैं एवं गरीब नागरिक और अधिक गरीब हो रहे हैं), बजट में वित्तीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना एवं इन आर्थिक समस्याओं के चलते देश में सामाजिक ताने बाने का छिन्न भिन्न होना, जैसे, जेलों की पूरी क्षमता का उपयोग और इन जेलों में कैदियों के रखने लायक जगह की कमी होना, तलाक की दर में बेतहाशा वृद्धि होना, मकान की अनुपलब्धि के चलते बुजुर्गों का खुले में पार्कों में रहने को मजबूर होना, आदि ऐसी कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याएं दिखाई दे रही हैं। उक्त समस्याओं के चलते ही अब अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा खुले रूप से कहा जाने लगा है कि साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के असफल होने के उपरांत अब पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं के भी असफल होने का खतरा मंडराने लगा है, और यह अब कुछ वर्षों की ही बात शेष है। उक्त समस्याओं के हल हेतु अब पूरा विश्व ही भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहा है और तीसरे आर्थिक मॉडल की तलाश कर रहा है। भारतीय आर्थिक दर्शन का वर्णन चारों वेद (ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं अथर्ववेद), 18 पुराण, उपनिषद, विदुरनीति, कौटिल्य अर्थशास्त्र, थिरुवल्लुवर, मनुस्मृति, शुक्रनीति, डॉक्टर एम जी बोकारे द्वारा लिखित हिंदू अर्थशास्त्र, श्री दत्तोपंत ठेंगढ़ी द्वारा रचित पुस्तक "थर्ड वे" आदि शास्त्रों एवं धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इस प्रकार भारतीय आर्थिक दर्शन की जड़ें सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। भारतीय आर्थिक दर्शन की नीतियों का अनुपालन करते हुए ही प्राचीन काल में भारत में विभिन्न राजाओं द्वारा अपने अपने राज्यों की अर्थव्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जाती रही है। भारतीय आर्थिक दर्शन में "विपुलता के सिद्धांत" की व्याख्या मिलती है जिसके अनुसार, बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति सदैव ही मांग से अधिक रहती थी। इस सिद्धांत के चलते चूंकि उत्पादों की बाजार में पर्याप्त आपूर्ति रहती थी अतः वस्तुओं के बाजार भाव में वृद्धि नहीं दिखाई देती थी, अतः भारत में प्राचीनकाल में मुद्रा स्फीति की समस्या सर्वथा, थी ही नहीं। जबकि, आज विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा स्फीति की समस्या सबसे बड़ी समस्या है जिसका हल निकालने में ये देश सक्षम नहीं दिखाई दे रहे हैं। विपुलता के सिद्धांत के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में ही विभिन्न उत्पादों का उत्पादन किया जाकर स्थानीय हाट बाजार में इन उत्पादों का विक्रय किया जाता था, जिससे स्थानीय स्तर पर ही स्वावलम्बन का भाव जागृत होता था। कुछ इलाकों में 40-50 गांवों के बीच साप्ताहिक हाट की व्यवस्था विकसित की गई थी। इन साप्ताहिक हाटों में लगभग सभी प्रकार के उत्पादों का विक्रय किया जाता था। चूंकि स्थानीय स्तर पर निर्मित विभिन्न उत्पादों की पर्याप्त मात्रा में बाजार में उपलब्ध रहती थी, अतः इन उत्पादों की कीमतें भी अपने आप ही नयंत्रित रहती थीं और इस प्रकार प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति के स्थान पर घटते हुए मूल्य के अर्थशास्त्र का वर्णन मिलता है। पूरे विश्व में, इस संदर्भ में, वर्तमान स्थिति भारतीय आर्थिक दर्शन के ठीक विपरीत दिखाई देती है जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं कही जा सकती है। दरअसल, मुद्रा स्फीति का सबसे बुरा असर गरीब वर्ग पर पड़ता है और आज वैश्विक स्तर पर उत्पादन इकाईयां विभिन्न वस्तुओं की बाजार में आपूर्ति को विपरीत रूप नियंत्रित करती हैं ताकि इन उत्पादों की बाजार में कीमत बढ़ सके एवं इन उत्पादन इकाईयों के लाभ में वृद्धि दर्ज हो सके। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्था में उत्पादन इकाईयों का मुख्य उद्देश्य ही अधिकतम लाभ कमाना होता है और इस मूल्य वृद्धि से समाज के गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कितना बोझ बढ़ रहा है, इससे उन्हें कोई मतलब नहीं रहता है।प्राचीन भारत में मुद्रा स्फीति की समस्या इसलिए भी नहीं रहती थी क्योंकि प्राचीनकाल में भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार "प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत" का अनुपालन सुनिश्चित होता था। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजार में उत्पादों के विक्रेताओं के बीच में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रहती थी। उत्पाद बेचने वाले स्थानीय विक्रेताओं की पर्याप्त संख्या रहती थी एवं साथ ही इनके बीच अपने अपने उत्पाद बेचने की प्रतिस्पर्धा रहती थी ताकि अपने अपने उत्पाद शीघ्र ही बेचकर वे अपने अपने ग्रामों में सूरज डूबने के पूर्व वापिस पहुंच सकें। इस प्रकार के कारणों के चलते कई बार तो विक्रेता अपने उत्पादों को सस्ते भाव में बेचना चाहता था अतः बाजार में उत्पादों के मूल्यों में कमी भी दिखाई देती थी। आज, वैश्विक स्तर पर निगमित क्षेत्र में कार्यरत कम्पनियों के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तो एक तरह से दिखाई ही नहीं देती है बल्कि वे आपस में मिलकर उत्पादक संघ (कार्टेल) का निर्माण कर लेती हैं और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों के बाजार मूल्यों को अपने पक्ष में नियंत्रित किया जाता हैं ताकि वे इन उत्पादों के व्यापार से अपने लिए अधिकतम लाभ का अर्जन कर सकें। इस पूंजीवादी नीति से इन कम्पनियों की लाभप्रदता में तो वृद्धि होती है परंतु आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अतः उक्त पूंजीवादी आर्थिक नीति के चलते आम नागरिकों पर निर्मित होने वाले आर्थिक दबाव को कम करने की दृष्टि से विक्रेताओं द्वारा लाभ अर्जन के संदर्भ में भी भारतीय आर्थिक दर्शन के नियमों का अनुपालन किया जा सकता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, "मूल्य सिद्धांत" के अंतर्गत, विक्रेता द्वारा स्वयं के द्वारा निर्मित वस्तु की उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए एवं यदि उस वस्तु का निर्यात किसी अन्य देश को किया जा रहा है तो उस वस्तु के उत्पादन लागत पर 10 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़कर उस वस्तु का विक्रय मूल्य तय किया जाना चाहिए। इस नीति के अनुपालन से प्राचीन भारत में विभिन्न उत्पादों के बाजार मूल्य लम्बे समय तक स्थिर रहते थे एवं इनके मूल्यों में वृद्धि लगभग नहीं के बराबर दिखाई देती थी। आज पूंजीवादी नीतियों के अंतर्गत विभिन्न उत्पादों के विक्रय मूल्यों पर किसी भी प्रकार का नियंत्रण नहीं है। विशेष रूप से दवाईयों के मूल्य के सम्बंध में नीति का उल्लेख यहां किया जा सकता है। केन्सर एवं दिल की बीमारी से सम्बंधित दवाईयों के बाजार मूल्य लाखों रुपयों में तय किए जाते हैं क्योंकि इन दवाईयों को बेचने का एकाधिकार "पैटेंट कानून" के अंतर्गत केवल इन दवाईयों का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के पास रहता है। केवल लाभ कमाना ही इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य है, जबकि सनातन हिंदू संस्कृति में किसी अस्वस्थ नागरिक को दवाई उपलब्ध कराने का कार्य सेवा कार्य की श्रेणी में रखा गया है। उक्त वर्णित दवाईयों की बाजार में उपलब्धता बढ़ाकर एवं इन दवाईयों के विक्रय मूल्य को नयंत्रित रखकर कई जीवन बचाए जा सकते हैं। परंतु, पूंजीवादी अर्थब्यवस्था के अंतर्गत तो लाभ कमाना ही मुख्य उद्देश्य है। आज विश्व के कई देशों में बेरोजगारी की समस्या विकराल रूप धारण करती हुए दिखाई दे रही है एवं इन देशों के पास बेरोजगारी की समस्या को हल करने का कोई उपाय भी सूझ नहीं रहा है। भारत के प्राचीन ग्रंथो में बेरोजगारी की समस्या के संदर्भ के किसी प्रकार का जिक्र भी नहीं मिलता है। "स्वयं के नियोजन के सिद्धांत" का अनुपालन करते हुए उस समय पर विभिन्न परिवारों द्वारा स्थापित अपने उद्यमों को ही आगे आने वाली पीढ़ी आगे बढ़ाती जाती थी, इससे युवाओं में "नौकरी" करने का प्रचलन भी नहीं था। अपने पारम्परिक व्यवसाय में ही युवा पीढ़ी रत हो जाती थी अतः बेरोजगारी की समस्या भी बिलकुल नहीं पाई जाती थी। आज पूंजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत कोरपोरेट जगत की स्थापना के चलते नागरिकों में "नौकरी" का भाव जागृत किया गया है। आज प्रत्येक युवा नौकरी की कतार में लगा हुआ दिखाई देता है, लगभग 30 वर्ष की आयु होते होते जब उसे उसकी चाहत के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है तो वह अपने जीवन के लिए समझौता कर लेता है और किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की नौकरी करने को मजबूर हो जाता है। कई इंजीनियर एवं पोस्ट ग्रेजूएट युवा, मजबूरी में आज विभिन्न उत्पादों की डिलीवरी करने एवं टैक्सी चलाने जैसे कार्यों को भी करते हुए दिखाई देते हैं। आज यदि अपने पुश्तैनी व्यवसाय को यह युवा आगे बढ़ा रहे होते तो सम्भवतः उनकी आमदनी भी अधिक होती और उक्त प्रकार के कार्य करने हेतु वे मजबूर भी नहीं होते। भारत के प्राचीन ग्रंथों में "शून्य ब्याज दर के सिद्धांत" का भी वर्णन मिलता है। राज्यों के पास धन के भंडार भरे रहते थे एवं समाज में यदि किसी नागरिक को अपना ब्यवसाय स्थापित करने के लिए धन की आवश्यकता रहती थी तो वह राजा से धन उधार लेकर अपना ब्यवसाय स्थापित कर सकता था एवं राजा द्वारा नागरिकों को दी गई उधार की राशि पर किसी प्रकार का ब्याज नहीं लिया जाता था। क्योंकि, यह उस राज्य के राजा का कर्तब्य माना जाता था कि वह अपने राज्य के नागरिकों को उचित मात्रा में ब्यवसाय करने के लिए धन उपलब्ध कराए। इस प्रकार, भारत के प्राचीन खंडकाल में ब्याज की दर भी शून्य रहा करती थी। इससे, स्थानीय नागरिक भी अपना व्यवसाय स्थापित करने की ओर प्रेरित होते थे एवं नौकरी करने का चलन नहीं के बराबर रहता था।

सम्पादकीय

दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं

विशेषज्ञों को जरूर मालूम होगा कि कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में बादलों की कैसी मौजूदगी जरूरी होती है। इस ज्ञान का इस्तेमाल ना करने के कारण उन्होंने दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं बढ़ाईं और उन्हें पूरा करने में नाकाम रहे। राष्ट्रीय राजधानी में क्लाउड सीडिंग के जरिए कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश की नाकामी में कई सबक छिपे हैं। पहले तो इससे यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति जाहिर हुई है कि तकनीक संस्थान एवं विशेषज्ञ सरकारों की मंशा के मुताबिक चलने की ऐसी मानसिकता का शिकार हो गए हैं कि मानों उन्होंने स्वतंत्र राय देने से तौबा कर लिया है। वरना, आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ बिना ठोस परिस्थितियों का आकलन किए ऐसे प्रयास में शामिल नहीं होते, जिसके नाकाम रहने से उनकी भी किरकिरी हुई है। विशेषज्ञों को यह जरूर मालूम होगा कि कृत्रिम बारिश के लिए आसमान में बादलों की कैसी मौजूदगी जरूरी होती है। इस ज्ञान का इस्तेमाल ना करने के कारण उन्होंने दिल्लीवासियों की अपेक्षाएं बढ़ाईं और उन्हें पूरा करने में नाकाम रहे। वैसे इससे भी बड़ा मुद्दा है प्रदूषण की गंभीर समस्या के बीच दिल्ली सरकार का कृत्रिम वर्षा का 'इन्वेंट' आयोजित करने का नजरिया। दिवाली के आसपास दिल्ली में घने स्मॉग का छाना जैसे एक मौसमी घटना बन गया है। ऐसा क्यों होता है, इस बारे में अनेक अध्ययन हुए, जिनसे अब काफी जानकारी उपलब्ध है। प्रदूषण के कारण व्यवस्थागत हैं। इनकी जड़ें परिवहन संबंधी सरकारी नीतियों और हरित तकनीक लागू करने को लेकर प्रशासनिक लापरवाही में हैं। इन कारणों से प्रदूषक तत्वों का उत्सर्जन लगातार होता रहता है। उनसे बनी सतह पर जब पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से आया धुआं और दिवाली पर पटाखों से निकले हानिकारक तत्व जा बैठते हैं, तो वातावरण पर स्मॉग छा जाता है।स्पष्टतरू इस समस्या का फौरी हल तब नहीं हो सकता, जब यह गंभीर रूप में सामने आ जाती है। इसका समाधान नीतिगत बदलाव और निरंतर प्रयासों से ही संभव है। मगर ऐसा करने का मद्दा या नजरिया जब नहीं होता, तब दिखावटी उठाना ही एकमात्र विकल्प रह जाता है। ऐसे ही कदम के तौर पर इस वर्ष कृत्रिम बारिश कराने की कोशिश की गई। मगर उसकी नाकामी ने दूसरी गहराती समस्याओं को भी उजागर कर दिया है। जाहिर यह हुआ है कि देश में ज्ञान– विज्ञान विरोधी गहराते माहौल के बीच साधारण–से कार्यों को संपन्न करना भी दूभर हो गया है।

बिहार विधानसभा चुनावों में फ्रेंडली फाइट क्या है और क्यों हो रही है

अजय दीक्षित

कांग्रेस, राजद, वीआइपी और सीपीएम ने बिहार विधानसभा चुनावों में 11 स्थानों पर जैसे वैशाली, कहलगांव, शिवहर, चौनपुर तथा अन्य 7 पर आपस में महागठबंधन होते हुए उम्मीदवार उतार दिए हैं। और लड़ाई को फ्रेंडली फाइट नाम दिया है।इन विधानसभा चुनावों में एनडीए का उम्मीदवार अलग से है ही। बताया जाता है इन 11 स्थानों के अलावा राजद, कांग्रेस नेता एक दूसरे के खिलाफ खूब प्रचार कर रहे हैं और राहुल गांधी,राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे हाथ पर हाथ रख कर बैठे हुए हैं। उल्लेखनीय हैं कि बिहार विधानसभा चुनावों में राजद 141, कांग्रेस 62, वीआईपी 12, सीपीएम 19 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। फ्रेंडली फाइट में 5 सीट पर राजद और कांग्रेस,चार सीट पर कांग्रेस और वीआईपी,दो सीट पर कांग्रेस और सीपीएम आमने सामने हैं। इस सर्कस को फ्रेंडली फाइट कहते हैं। बिहार के शिवहर से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि ये सब उनके प्रभाव वाले क्षेत्र मध्य बिहार में हो रहा है। पप्पू यादव ने कहा है कि उन्होंने राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मुकेश साहनी से बातचीत की लेकिन किसी ने नहीं मानी और लिस्ट जारी कर दी। हिंदुस्तान के प्रधान संपादक शशि शेखर ने बताया है कि महागठबंधन मेंकुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। जबकि सामने एनडीए जैसा प्रतिद्वंद्वी है जो व्यवस्थित चुनाव लड़ रहा है उन्होंने हम पार्टी के जीतनराम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा को मना लिया और पत्ता नहीं खडका, जेडीयू भी 101 पर राजी हो गया और भारतीय जनता पार्टी ने अधिक से कम सीट पर समझौता कर लिया।

ये फ्रेंडली फाइट शब्द डब्ल्यूडब्ल्यूएफ कुश्ती से आया है। जिसमें खली लड़ता था और राजनीति में बंगाल से आया जब 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और तृणमूल में संघर्ष हुआ और कांग्रेस ने इतने वोट काटे कि दस सीट परभारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की।दरअसल बिहार में कांग्रेस को राजद की वैशाखी की जरूरत है यह सिलसिला 1991 से चल रहा है।

लेकिन अब तेजस्वी यादव इसे आधे अधूरे मन से चला रहे हैं। कांग्रेस 2020 के चुनावों में 70 सीट पर लड़ी थी और केबल 19 पर जीत हासिल हुई।जबकि राजद 125 पर लड़ा और 74 पर जीत हुई । तेजस्वी का मानना था कि कांग्रेस के कारण वे सत्ता में नहीं आ पाएहालांकि नीतीश कुमार ने बीच में पलटा खा कर तेजस्वी यादव को उप मुख्यमंत्री बनने का मौका दिया था लेकिन नीतीश कुमार अधिक समय तक उन्हें झेल नहीं सके तब नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मारी और 2024 के लोकसभा से पहले एनडीए में शामिल हो गए।राजद और कांग्रेस का महागठबंधन भी कमजोर है 11 सीट पर फ्रेंडली फाइट हो रही है और इन सीटों पर महा गठबन्धन गच्चा खा सकता है।2020 के चुनावों में 400 हजार वोट के फर्क से एनडीए सत्ता में आ गया था।

राजद-कांग्रेस का गठबंधन टूटते टूटते बचा

अजीत द्विवेदी

दिल्ली से लेकर पटना तक की मीडिया में चर्चा है कि बिहार में राजद के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूटते टूटते बचा और वह भी तब, जब सोनिया गांधी ने दखल दिया और राहुल गांधी सक्रिय हुए। कहा जा रहा है कि राहुल देश के किसी भी हिस्से में रहे लेकिन वे पटना में नेताओं के लगातार संपर्क में थे और हर घटनाक्रम की समीक्षा कर रहे थे। अंत में सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत को पटना भेजा। उनके बाद अविनाश पांडे भी पटना भेजे गए। वे पटना में समन्वय देखेंगे। यह आम धारणा है कि अशोक गहलोत पटना गए तो उन्होंने जादूगरी दिखाई और गठबंधन को टूटने से बचा लिया। उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव से बातचीत की और उसके बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई, जिसमें तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का दावेदार और मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री का दावेदार घोषित किया गया।

अब सवाल है कि क्या कांग्रेस तेजस्वी को चेहरा घोषित करने के बदले जो चाहती थी वह उसको मिल गया? इस सवाल का जवाब है कि कांग्रेस को तेजस्वी का नाम घोषित करने के बदले में कुछ नहीं मिला। कह सकते हैं कि 'न खुदा मिला न विसाले सनम'। बेइज्जती अलग से हुई। कांग्रेस को घुटने टेक कर नौ सीटें छोडनी पड़ी, जिसमें जीती हुई सीट भी है। क्वालिटी सीट के नाम पर कोई अच्छी या नई सीट नहीं मिली यानी पुरानी ही सीटें लडनी पड़ रही है, जिनमें पिछली बार स्ट्राइक रेट 27 फीसदी का था। कांग्रेस को राजद के खिलाफ खड़े किए गए अपने उम्मीदवारों को नाक रगड़ कर वापस लेना पड़ा और तेजस्वी के नाम की घोषणा भी करनी पड़ी। अपमान अलग से यह हुआ कि लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के उम्मीदवारों के खिलाफ जो उम्मीदवार खड़े किए थे उनमें से किसी का नाम वापस नहीं हुआ। कांग्रेस जिन 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही है उन्हीं में से 10 सीटों पर दोस्ताना लड़ाई हो रही है। राजद की 143 में से सिर्फ दो सीट पर दोस्ताना लड़ाई है। लेकिन वह भी कांग्रेस के साथ नहीं वीआईपी के साथ। उसने कांग्रेस से उम्मीदवार वापस कराए, जबकि उसके उम्मीदवार कांग्रेस के खिलाफ लड़ रहे हैं। ऊपर से सीपीआई के साथ संबंध अलग बिगड़े। बिहार का लेनिनग्राद कहे जाने वाले बेगूसराय में सीपीआई की मजबूत बछवाड़ा सीट पर उम्मीदवार देकर कांग्रेस ने उसे ऐसा नाराज किया कि उसने कांग्रेस की जीती हुई सीट पर भी अपना उम्मीदवार उतार दिया और तमाम मान मनौव्वल के बाद भी नाम वापस नहीं लिया।

सोचें, जब लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की हर बात मान ही लेनी थी तो अशोक गहलोत को भेजने की क्या जरुरत थी? वह काम तो कोई भी कर सकता था। मोलभाव या दबाव की राजनीति का मतलब होता है कि दोनों पक्ष कुछ कुछ समझौता करें। लेकिन यहां तो सारे समझौते कांग्रेस को करने पड़े! राजद ने कोई समझौता नहीं किया है। वह पिछली बार 144 सीटों पर लड़ी थी और इस बार 143 पर लड़ रही है। सीपीआई माले पिछली बार 19 पर लड़ी थी और इस बार 20 पर लड़ रही है। सीपीआई पिछली बार छह पर लड़ी थी तो इस बार नौ पर लड़ रही और सीपीएम पिछली बार चार पर लड़ी तो इस बार छह पर लड़ रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पिछली बार 70 पर लड़ी थी और इस बार 61 पर लड़ रही है और उसमें भी 10 सीटों पर दोस्ताना लड़ाई है। यानी चौबे जी गए थे छब्बे जी बनने और दुबे जी बन कर आ गए।

असल में बिहार में कांग्रेस का कोई संगठन पिछले कई बरसों से नहीं है। पिछले सात साल में तो तीन अध्यक्ष और तीन प्रभारी बदले हैं लेकिन कांग्रेस का प्रदेश संगठन नहीं बना। कांग्रेस के पास कोई जातीय आधार नहीं है और न संगठन की मजबूती है। इस वास्तविकता को समझे बगैर राहुल गांधी ने बिहार में कांग्रेस के पुनरूत्थान का सपना पाला। सोशल मीडिया से भरी गई हवा से फुल कर कुप्पा हुए राहुल गांधी ने कांग्रेस के वेतनभोगी कर्मचारी कृष्णा अल्लावरू को बिहार का प्रभारी बना कर भेजा। राहुल गांधी की ओर से इम्पावर्ड किए गए अल्लावारू ने पटना पहुंचते ही टकराव की राजनीति शुरू कर दी। उन्होंने कांग्रेस के तमाम पुराने नेताओं को हाशिए में डाल दिया और राजेश राम व शकील अहमद खान के सहारे दलित और मुस्लिम का समीकरण बैठाना शुरू कर दिया, जिसका कोई जमीनी आधार नहीं था। यह सही है कि कांग्रेस के वोट पर ही प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति चल रही है लेकिन उनसे अपना वोट वापस हासिल करने के लिए कांग्रेस को पहले संगठन के स्तर पर मजबूत होना होगा। इस बुनियादी वास्तविकता को समझे बगैर राहुल गांधी और अल्लावरू ने यह सोच लिया कि दबाव डाल कर लालू प्रसाद से न सिर्फ अच्छी सीटें हासिल कर लेंगे, बल्कि इसी बहाने अपना वोट बैंक भी वापस पा लेंगे। कांग्रेस को इस प्रयास में जोर का झटका बहुत जोर से लगा है।

कांग्रेस की सबसे बड़ी गलती अल्लावरू को प्रभारी बना कर भेजने की थी। अल्लावारू की जगह किसी राजनीति समझने वाले नेता को बिहार भेजा जाना चाहिए था, जो बारीकियों को समझता हो। मोटा मोटी सिद्धांत जानने और महत्वाकांक्षा पाल लेने से कुछ नहीं होता है। राजनीति की बारीकियों को समझने वालों को भी बिहार में राजनीति करने के लिए कुछ अतिरिक्त कौशल की जरुरत होती है। कांग्रेस ने अविनाश पांडे को देर से भेजा अगर वे पहले गए होते तो वे कांग्रेस की संगठनात्मक शक्ति, उम्मीदवारों की क्षमता और राजनीतिक नैरेटिव को समझ कर मोलभाव करते। अल्लावरू में वह समझ भी नहीं थे और वे लचीलापन भी नहीं ला पाए, जिसकी जरुरत थी। लालू परिवार ने उनकी इस कमजोरी को समझा और कांग्रेस को राजनीति को पंक्चर कर दिया। अल्लावरू और कुछ हद तक राहुल गांधी भी पप्पू यादव और कन्हैया कुमार के भरोसे लालू परिवार पर दबाव डाल पाने का भ्रम पाले रहे। इसका अंत नतीजा बहुत बुरा हुआ।

कांग्रेस ने समझा ही नहीं कि बिहार के तीन चौथाई जिलों में उसके पास संगठन के अच्छे नेता नहीं हैं और न अच्छे उम्मीदवार हैं। राजद को यह पता था कि कांग्रेस के पास अच्छे उम्मीदवार नहीं हैं। इसलिए उसने एक भी नई सीट कांग्रेस के लिए नहीं छोड़ी। अंत में दिखा कि कैसे कांग्रेस ने करीब डेढ़ दर्जन ऐसे उम्मीदवार चुनाव में उतारे, जो थोड़े दिन पहले तक भाजपा या जनता दल यू में थे। कई उम्मीदवार तो संघ की शाखा में जाने वाले थे। एक उम्मीदवार तो ऐसा उतारा, जिसने राहुल गांधी पर दर्जनों अपमानजनक पोस्ट सोशल मीडिया में डाले थे। विवाद बढने पर उसकी उम्मीदवारी वापस ली गई। 60 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी वाली एक सीट पर जीते हुए विधायक की टिकट काट कर एक कमजोर उम्मीदवार को टिकट दिया गया, जिसका क्षेत्र में जबरदस्त विरोध हुआ। पिछली बार महज 113 वोट से हारे एक उम्मीदवार की टिकट काट दी गई, जिसकी सार्वजनिक रूप से शिकायत कटिहार के सांसद तारिक अनवर ने की। पैसे पर टिकट बेचे जाने के ऐसे ऐसे आरोप लगे, जैसे पहले कभी नहीं लगे थे। तभी चुनाव के अधबीच कृष्णा अल्लावरू के पर कतरे गए। उनको यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी पद से हटाया गया और अविनाश पांडे को समन्वय के लिए भेजा गया। कुल मिला कर कांग्रेस ने जो तेवर दिखाए और लालू प्रसाद को झुका कर कांग्रेस को स्थापित करने का जो दांव खेला वह बुरी तरह से पिट गया। जमीनी राजनीति और धारणा की राजनीति दोनों में कांग्रेस को नुकसान हुआ। साथ ही कांग्रेस ने समूचे महागठबंधन की संभावना को भी पलीता लगा दिया। पहले तो राहुल गांधी एकदम बिना मतलब का एसआईआर का मुद्दा लेकर बिहार में दो हफ्ते घूमे और उसके बाद जब राजनीति करने की बारी आई तो पता नहीं कहां लापता हो गए। उन्होंने राजनीति ऐसे नौसिखिया नेताओं के हाथ में दी, जिनको अपने क्षेत्र के

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में सौहार्द्र की वृद्धि होगी। बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाहन करना पड़ सकता है। धन लाभ के मौके हाथ लगेंगे ।

वृष राशि–
आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। किसी के साथ बेवजह की बहसबाजी में न पड़ें, इससे कामों में देरी होगी।

मिथुन राशि–
आज का दिन अनुकूल रहेगा। रोजमर्रा के कामों में ज्यादा समय लग सकता है। कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना कारगर रहेगा।

कर्क राशि–
अकारण शुरू हुई समस्याएं समाप्त होंगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। विदेश व्यापार की योजना बन सकती है।

सिंह राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा और लगाव बढ़ेगा। रुके कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या राशि–
आज का दिन लाभदायक रहेगा। कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी और कार्य समय पर पूरे होंगे। दांपत्य जीवन में तालमेल बढ़ेगा। किसी काम में घरवाले तारीफ करेंगे।

तुला राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहेगा। आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जो आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था के लिए लाभदायक होंगे। मिल–जुलकर किए कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन फायदे वाला रहेगा। रिश्तेदारों से चल रही अनबन खत्म होगी। खान–पान में संयम रखें, सेहत बेहतर रहेगी। कारोबार में बरकत होगी और आय के साधन बढ़ेंगे।

धनु राशि–
आज का दिन उत्तम रहेगा। विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखें। पुरानी गलतियों को भूलकर आगे बढ़ेंगे और सफलता पाएंगे। बच्चों की समस्या का समाधान मिलेगा।

मकर राशि–
आज का दिन बेहतर आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। पिता का आशीर्वाद बना रहेगा। आत्मविश्वास और ऊर्जा से बहुत कुछ हासिल करेंगे।

कुंभ राशि–
आज का दिन शानदार रहेगा। ऑफिस के काम से अचानक यात्रा हो सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। कामकाज में गंभीरता दिखाएंगे। घर के वरिष्ठों का सहयोग बना रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के व्यवसाय में मुनाफा होगा।

प्रयागराज को मिलेगी एक और वंदे भारत

खजुराहो तक का सफर आसान और आरामदायक होगा

प्रयागराज। प्रयागराज को पांचवीं वंदे भारत मिलने जा रही है। यह ट्रेन धार्मिक शहरों को जोड़ेगी। काशी, विंध्याचल, प्रयाग, चित्रकूट, एक ही ट्रेन से कुछ घंटों के अंतराल में जुड़ जाएंगे और गंतव्य खजुराहो तक होने से छतरपुर भी इसका हिस्सा बन गया है। ह वंदे भारत सामान्य ट्रेनों की तुलना में लगभग एक से दो घंटा समय भी बचाएगी। आठ नवंबर को यह विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी और सभी स्टेशनों पर भव्य स्वागत होगा। यह ट्रेन सुबह 8रू05 बजे बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। रास्ते में वाराणसी कैंट, विंध्याचल, प्रयागराज छिवकी, चित्रकूट, बांदा और महोबा स्टेशन पर रुकेगी। शाम ठीक 4रू25 बजे खजुराहो पहुंच जाएगी। यानी पूरी यात्रा सिर्फ आठ घंटे 20 मिनट की।यागराज छिवकी से खजुराहो तक का रास्ता महज पांच घंटे 15 मिनट में पूरा हो जाएगा। इससे पहले इस रूट पर यात्रा करने में साढ़े छह घंटे से अधिक का समय लगता था। उद्घाटन के दिन ट्रेन का नंबर 02582 होगा। यह आठ कोच वाली ट्रेन होगी, जिसमें सात चेयर कार और एक एग्जीक्यूटिव चेयर कार कोच होगा।ारामदायक सीटें, आटोमैटिक दरवाजे, वाई–फाई, सीसीटीवी और बेहतर खान–पान की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। खास बात यह कि ट्रेन का लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर दोनों उत्तर मध्य रेलवे के ही होंगे। हर स्टाप पर स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रयागराज छिवकी में स्थानीय सांसद–विधायक सहित तमाम जनप्रतिनिधि पहुंचेंगे। फूलों की मालाएं, ढोल–नगाड़े और जलपान के साथ ट्रेन का स्वागत होगा।उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि आठ नवंबर को सभी ठहराव वाले स्टेशनों पर स्वागत समारोह आयोजित किए गए हैं। नियमित सेवा कब शुरू होगी, इसकी घोषणा रेलवे बोर्ड जल्द करेगा। तब ट्रेन नंबर 26505 और 26506 होगा। पर्यटकों के लिए यह ट्रेन बहुत लाभदायक होगी, क्योंकि खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिर अब वाराणसी और प्रयागराज से कुछ ही घंटों की दूरी पर होंगे।

प्रिंसिपल, डीएम और पुलिस कमिश्नर अब मिलकर चलाएंगे बीएचएस, जीएचएस के खाते

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान को लेकर वर्षों से चल रहे विवाद पर बड़ा और अंतरिम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि बीएचएस, जीएचएस के खाते अब प्रिंसिपल और डीएम की ओर से नियुक्त अधिकारी मिलकर चलाएंगे। वहीं, स्कूलों का प्रबंधन देखने के लिए पूर्व न्यायाधीश को पर्यवेक्षक नियुक्ति किया गया है। साथ ही प्रबंधकीय विवाद को सिविल कोर्ट से तय कराने का निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने द इलाहाबाद हाईस्कूल सोसाइटी और अन्य की याचिका पर दिया है। साथ ही कोर्ट कहा कि सीआईपीबीसी, सीएनआई के खातों का संचालन संबंधित प्रधानाचार्य, डीएम व पुलिस आयुक्त की ओर से मिलकर किया जाएगा। द इलाहाबाद हाईस्कूल सोसाइटी प्रयागराज स्थित दो प्रमुख संस्थानों, बॉयज हाईस्कूल एंड कॉलेज और गर्ल्स हाईस्कूल एंड कॉलेज का संचालन करती है। इस पर नियंत्रण के लिए सीआईपीबीसी (चर्च ऑफ इंडिया, पाकिस्तान, बर्मा और सीलोन) और सीएनआई (चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया) गुटों के बीच लंबी कानूनी लड़ाई चल रही है। इसी के चलते हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। संस्थानों का प्रबंधन सुचारु रूप से चले, इसके लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस उमेश कुमार को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पर्यवेक्षक को रिकॉर्ड का निरीक्षण करने का अधिकार होगा। वह सुनिश्चित करेंगे कि प्रयागराज में एक स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट की ओर से संस्थानों का त्रैमासिक ऑडिट हो। पर्यवेक्षक को दोनों विद्यालयों में कार्यालय प्रदान किया जाएगा। जहां वे अपनी सुविधा अनुसार बैठ सकेंगे। प्रध ाानाचार्य बुनियादी ढांचा और कर्मचारी उपलब्ध कराएंगे। इसी के साथ याचिकाओं का निस्तारण कर दिया। इसके साथ ही कई साल से चल रही 13 रिट याचिकाओं के समूह का निस्तारण कर दिया गया है।

40वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इन्दिरा मैराथन का आयोजन 19 नवम्बर को

प्रयागराज। खेल निदेशालय, उ०प्र० एवं जिला प्रशासन, प्रयागराज द्वारा 19 नवंबर को प्रयागराज में 40वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इन्दिरा मैराथन (42.195 कि०मी०) पुरुष एवं महिला वर्ग में आयोजित की जा रही है। उक्त मैराथन के विजेता खिलाडियों को कुल 9,75,000– (नौ लाख पचहत्तर हजार) की इनामी राशि के अर्न्तगत जिसमे पुरूष एवं महिला वर्गो का प्रथम पुरस्कार रू0 2,00,000ध– तथा द्वितीय पुरस्कार रू0 1,00,000ध– तृतीय पुरस्कार रू0 75,000ध– एवं ग्यारह स्थान तक रू0 10,000ध – के सांत्वना पुरस्कार (दोनो वर्गो में) प्रदान किया जायेगा।मैराथन 19 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे आनन्द भवन, प्रयागराज से प्रारम्भ होगी, जिसमें देश एवं प्रदेश के राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय धावकध्ध ााविका भाग लेंगे। जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए

अतीक के बहनोई, वकील, ड्राइवर और नौकर की जमानत अर्जी खारिज

हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ. अखलाक अहमद, वकील विजय मिश्रा, ड्राइवर कैश व नौकर नियाज की जमानत अर्जी खारिज कर दी। पिछली सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया। सभी आरोपियों की ओर से दाखिल अपराधिक अपील पर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकल पीठ सुनवाई कर रही थी। मेरठ निवासी अतीक के बहनोई डॉ अखलाक अहमद पर हत्याकांड के बमबाज गुड्डू मुस्लिम को शरण देने का आरोप है। जबकि, बाकी मुल्जिमों पर हत्या की साजिश रचने का आरोप है।हत्याकांड के बाद से फरार बमबाज गुड्डू मुस्लिम पांच लाख का इनामी है। पुलिस का दावा है कि घटना को अंजाम देने के बाद इसने डॉ अखलाख के मेरठ स्थित घर पर शरण ली थी। मेरठ से गिरफ्तार एकलाख ने जमानत पर रिहाई के लिए सितंबर 2023 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। डॉ. अखलाक के अधिवक्ता के दलील दिया था कि वह एफआईआर में नामजद नहीं है। वह पेशे से डॉक्टर हैं। अपराध की दुनिया से उसका कोई वास्ता नहीं है। उसे केवल अतीक के रिश्तेदार होने के कारण फंसाया गया है।अतीक के वकील विजय पर उमेश पाल हत्याकांड में मुखबिरी करने का आरोप है। विजय की गिरफ्तारी लखनऊ से हुई थी। जमानत पर रिहाई की मांग करते हुए उनकी अधिवक्ता मंजू सिंह ने दलील कि उन्हें अतीक के वकील होने के कारण फंसाया जा रहा हैं। इसी तरह कैश व नियाज की ओर से भी बेगुनाह होने की दलीलें दी गई। उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि कैश ड्राइवर था, जबकि काफी समय पहले से नौकरी छोड़ चुका था। कोई अपराधिक इतिहास नहीं है। नियाज के वकील ने भी उसे बेकसूर बताया। कहा कि उसका घटना से कोई सरोकार नहीं है। उसके पास से की बरामदगी नहीं है, न ही वह एफआईआर में नामजद है। लंबी बहस में दौरान उमेश पाल की पत्नी जया पाल के अधिवक्त प्रवीण पांडे, सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत पर रिहाई का विरोध किया। कहा कि सभी आरोपी हत्याकांड में सक्रिय रूप से शामिल रहे है। अभी तक ट्रायल कोर्ट में आरोप निर्मित होने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। मौजूदा समय में अतीक की इनामी बीवी शाइस्ता परवीन, अशरफ की बीवी जैनब व बमबाज गुड्डू मुस्लिम समेत कुल सात अन्य आरोपी फरार हैं। ऐसे में उनकी रिहाई से लंबित ट्रायल प्रभावित होगा।

जीजीआईसी की छात्राओं ने किया मुक्त विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के अत्यंत महत्वपूर्ण मिशन समाज शिक्षा अभियान के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्राओं को उसे शैक्षिक तकनीकी प्रबंधन संस्थानों एवं विश्वविद्यालय में भ्रमण की योजना के क्रम में आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस प्रयागराज की छात्राओं ने प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम मिश्रा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया जिसमें उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय की शैक्षिक कार्य प्रणाली को विस्तार से समझने का प्रयास किया। मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम के निर्देश पर विश्वविद्यालय की ओर से इस शैक्षिक भ्रमण का संयोजन प्रोफेसर देवेश रंजन त्रिपाठी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम समस्त छात्राओं को पांच समूह में वर्गीकृत किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से प्रत्येक समूह का नेतृत्व मार्गदर्शन क्रमशः सहायक आचार्य डॉ सोहनी देवी, डॉ0 नीता मिश्रा, डॉ0 सफीना, डॉ0 अनुराधा तथा सुश्री सौम्या द्वारा किया गया तथा राजकीय विद्यालय की ओर से प्रत्येक समूह के साथ उनके शिक्षक श्रीमती किरण राय, डॉ0 मधु यादव, श्रीमती प्रज्ञा मिश्रा, डॉ0 प्रीति मिश्रा, श्रीमती रेखा राम, श्रीमती अनीता उत्तम, श्रीमती मोहित सिंह, डॉ0 क्षमता शुक्ला तथा डॉ0 चारू गुप्ता ने अपना नेतृत्व प्रदान किया। विश्वविद्यालय आगमन पर समूह का स्वागत कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया तथा भ्रमण संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश सभी को प्रदान किया तथा अपनी शुभकामनाएं दी। शैक्षिक भ्रमण दल ने विश्वविद्यालय मीडिया सेल, प्रवेश अनुभाग, स्वअध्ययन सामग्री प्रकोष्ठ, परीक्षा विभाग की कार्य प्रणाली देखी। परिसर में उन्होंने कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त अधिकारी कार्यालय तथा परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की विभिन्न गतिविधि ायों को समझने का प्रयास किया। बताया कि भ्रमण कार्यक्रम में अंतिम पड़ाव में छात्राओं और शिक्षकों ने अपनी अपनी जिज्ञासाओं को प्रस्तुत किया जिसका समाधान प्रोफेसर देवेश रंजन त्रिपाठी द्वारा करते हुए सभी को विश्वविद्यालय आने पर धन्यवाद दिया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए आशीर्वचन प्रदान किया। जीजीआईसी की प्रध ाानाचार्या श्रीमती नीलम मिश्रा ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध कोर्स को छात्राओं के लिए लाभदायक बताया। श्रीमती मिश्रा ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण में 200 छात्राएं शामिल रहीं।

अवैध कब्जा पर एसडीएम का चला बुल्डोजर, मचा हड़कंप

मड़िहान, मीरजापुर। जिले के मड़िहान तहसील क्षेत्र अंतर्गत मीरजापुर–सोनभद्र सम्पर्क मार्ग पर गोड़ टूटवा गांव में बेसकीमती सुरक्षित जमीन से अवैध कब्जा भारी पुलिस बल के साथ एसडीएम ने हटा कब्जेदार को सखध्त चेतावनी दी है। एसडीएम मड़िहान अनेग सिंह ने पुलिस बल के साथ न केवल मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटवाया है बल्कि दू टूक चेतावनी भी दी है कि किसी भी प्रकार का कब्जा मिला तो कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधि ाकारी मड़िहान की इस कार्रवाई से भू–माफियाओं में हड़कंप मचा रहा है। बताते चलें कि कुछ ही दिन पूर्व ही एसडीएम अनेग सिंह ने मड़िहान तहसील का चार्ज संभाले है। बताया जा रहा है कि उक्त गांव निवासिनी शशिकला पत्नी रसीले के द्वारा आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, शिकायत पर एसडीएम ने अवैध ा कब्जा की शिकायत को संज्ञान में लेकर सख्त कार्यवाई करते हुए अवैध कब्जा हटवा दिया। एसडीएम के इस कार्यवाई से भू–माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ।

माटी कला के श्रेष्ठ कृतियों के आधार पर शिल्पियों, कारीगरों, उद्यमियों के पुरस्कार वितरण का हुआ आयोजन

मीरजापुर। कम्बल कारखाना परिसर, पथरहिया रोड में उप्र माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में माटीकला समन्वित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत माटीकला के श्रेष्ठ कृतियों के आध ाार पर शिल्पियों, कारीगरों, उद्यमियों को मण्डल स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार का चयन एवं वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी विंध्याचल मंडल मीरजापुर अमितेश कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट सामानों के साथ प्रतिभाग किया गया था। प्रतिभागियों का चयन मण्डल स्तर पर गठित माटीकला पुरस्कार चयन समिति द्वारा किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार अविनाश कुमार मौर्या ग्राम व पोस्ट पटिहटा, द्वितीय पुरस्कार रंजीत कुमार, दरगाह शरीफ चुनार, तथा तृतीय पुरस्कार शेष कुमार प्रजापति, चकापुर सन्त रविदास नगर, भदोही का चयन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भउपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र एवं परिक्षेत्रीय ग्रमामोद्योग अधिकारी के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में उप्र माटीकला बोर्ड एवं सरकार द्वारा संचालित किये जा रहे अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दिया गया। कार्यक्रम में जनपद मीरजापुर, सोनभद्र एवं भदोही से माटीकला से जुडे कारीगर उपस्थित हुए। इस अवसर पर जिला परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय मीरजापुर, जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, भदोही एवं सोनभद्र के अधि ाकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

लालगंज के दर्जनों गांवों का फसल क्षति का हुआ आनलाइन सव

मीरजापुर। लालगंज तहसील क्षेत्र में बेमौसम बारिश मोंथा से धान समेत कई फसलें बर्बाद होने के 72 घंटे में क्लेम दर्ज कराने वाले बीमा धारकों के फसल का सर्वे शुरू किया गया है। शुक्रवार को एसबीआई द्वारा भेजे गए टीम में शामिल आशीष कुमार और कुलदीप पटेल ने बामी, गंगहरा, विरतीया, रेही, कोठी, कलवारी आदि गांवों का फसल क्षति का आनलाइन सर्वे किया गया है। सर्वे रिपोर्ट सौंपने के बाद 45 से 60 दिन में किसानों को बीमा योजना का लाभ मिलेगा। कृषि विभाग ने हाल ही में 30–31 अक्टूबर को आये मोंथा चक्रवाती तूफान व बारिश से फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराने का आदेश जारी किया है। जिला कृषि अधि ाकारी ने इस संबंध में सभी इंश्योरेंस कंपनी को पत्र भेजा है। जिला कृषि अधिकारी ने निर्देश दिया है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को फसल नुकसान का उचित लाभ दिलाने के लिए उन्हें जागरूक किया जाये। इसके लिए 72 घंटे की समय सीमा तय की गयी है। निध ाारित अवधि में फसल नुकसान का सर्वे व आकलन पूरा कर रिपोर्ट जमा करने को कहा गया है। सर्वे के दौरान बीमित किसानों का नाम, बीमा संख्या, आवेदन संख्या, फसल का नाम, रकवा, गांव व तहसील का विवरण मांगा गया है। कृषि विभाग के अनुसार, मोंथा तूफान से जिले के लगभग सभी तहसील में खरीफ फसलें प्रभावित हुई हैं। इनमें धान के अलावा आलू मटर चना मसूर सरसों आदि अनाजों की फसलें बर्बादी के कगार पर पहुंच गयी है।

कोटेदारों की बैठक आयोजित

प्रयागराज। ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन प्रयागराज की एक बैठक दीपक गेस्ट हाउस कॉटन मिल चौराहा नैनी में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता राजकरण सिंह जिला उपाध्यक्ष प्रयागराज ने किया किया इस बैठक बैठक के मुख्य अतिथि गणेश प्रसाद द्विवेदी जिला अध्यक्ष ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन प्रयागराज रहे।उन्होंने कोटेदारों को संबोधित करते हुए कहा कोटेदारों की दशा बहुत दयनीय हो चुकी है। कोटेदारों को समय से लाभांश नहीं दिया जा रहा है। 2001 से 2015 का बकाया भुगतान भी नहीं कराया जा रहा है। वितरण के समय सर्वर की समस्या से कोटेदारों को परेशानी होती है। लेकिन इस पर विभाग व सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है। डोर स्टेप डिलीवरी के ठेकेदार राशन की दुकान तक खाद्यान्न नहीं पहुंचा जा रहा है विकी रजिस्टर प्रमाण पत्र से कोटेदारों को मुक्त किया जाए पर सभी कोटेदारों ने समर्थन किया। इन सब समस्याओं समाधान नहीं कराया गया तो नवंबर माह के वितरण के बाद सारी मशीन तहसील में जमा कर दिया जाएगा। बैठक को संबोधित करने वालों में गंगा शंकर मिश्रा, इंद्रजीत पटेल, पवन गुप्ता, मनोज शुक्ला अध्यक्ष मेजा तहसील मनोज कुमार शुक्ला तहसील अध्यक्ष बाराअवधेश कुमार मौर्य ब्लॉक अध्यक्ष मेजा अमित जायसवाल राम अभिलाष पाल विजयकांत पांडे ने अपने विचार रखें ।

हनुमानगंज एएस ने दोनों वर्गों में जीती सीरीज

प्रयागराज। हनुमानगंज एएस ने यूथ क्रिकेट एकेडमी को अंडर–14 एवं अंडर–19 शुआट्स यूनिटी ट्रॉफी क्रिकेट सीरीज में 3–0 से हराया।विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल मैदान पर खेले अंडर–14 आयु वर्ग के तीसरे मुकाबले में यूथ क्रिकेट अकादमी ने 14 ओवर में 43 रन (अनूप 10, आर्यन गर्ग, प्रियम सिंह व अनुराग मोदनवाल तीन–तीन विकेट) बनाए। जवाब में हनुमानगंज एएस क्लब ने 12 ओवर में दो विकेट पर 46 रन बना लिए। राजपाल ने 24 रन बनाए।अंडर–19 आयु वर्ग के तीसरे मैच में यूथ एकेडमी ने 25 ओवर में 163 रन (आदित्य 78, सुधांशु सिंह 28, राजवीर 16, अमन 4ध30, शानू यादव व दीपांशु एक–एक विकेट) बनाए। जवाब में हनुमानगंज एएस क्लब ने 19.4 ओवर में एक विकेट पर 164 रन (दीपेश कृष्णा 85 नाबाद, शाश्वत 54 नाबाद, शौर्य मिश्र 1ध49) बना लिए।इस क्रिकेट कोच परवेज आलम और मनोज सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। अंडर–14 आयु वर्ग में अंशु वर्मा को बेस्ट बैटर एवं अनुभव गुप्ता को बेस्ट बॉलर, अंडर–19 आयु वर्ग में दीपेश कृष्णा को बेस्ट बैटर, अनमोल जायसवाल को बेस्ट बॉलर और आदित्य सिंह को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। इस मौके पर अशफाक अहमद, धीरेंद्र कुशवाहा, मोहम्मद जेब फाहान, सूरज गुप्ता, वजाहत महमूद आदि मौजूद रहे।

श्रेयांश की गेंदबाजी से आनंद शुक्ला को मिली जीत

प्रयागराज। आंनद शुक्ला क्रिकेट क्लब ने चौधरी नौनिहाल सिंह अंडर –19 क्रिकेट सीरीज में नर्बदा प्रसाद क्रिकेट क्लब को 86 रन से हराकर सीरीज में पूर्ण अंक अर्जित किए हैं। विजेता टीम के श्रेयांश जायसवाल की सटीक गेंदबाजी (4.2 – 0 – 7 – 4) कर अपनी टीम को जीत दिलाई हैं। शुक्रवार को केपी कॉलेज मैदान पर सीरीज के दूसरे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आनंद शुक्ला क्रिकेट क्लब ने 35 ओवर में आठ विकेट पर 206 रन (अनुज मिश्रा 64, अंशुमान शुक्ला 38, अभिषेक कुमार गुप्ता 33, कौशल सिंह 27 रन, सक्षम 2ध16, प्रकाश कुमार 2ध34, आदित्य पठाक 1ध16, सुदर्शन शुक्ला 1ध25, कार्तिक सीधाना 1ध29) पर बनाए। जवाब में नर्बाद प्रसाद क्रिकेट क्लब की पूरी टीम 30.2 ओवर में 120 रन (जमन नकवी 26, कसान अली 25, अमित सिंह 20 रन, श्रेयांश जायसवाल 4ध07, कमल चौहान 2ध28, अंकित सिंह 1ध12, मो. जियान 1ध34) पर सिमट गई। मैच में अरुण कुमार व नितिन मिश्रा ने अंपायरिंग और प्रितेश सोनकर ने स्कोरिंग की।

डीएम को स्कार्फ-वागेल लगाकर मनाया स्काउट गाइड का 75वां स्थापना दिवस

प्रयागराज। भारत स्काउट और गाइड के 75वे स्थापना दिवस के अवसर पर जिलाधिकारीध्अध्यक्ष भारत स्काउट और गाइड उत्तर–प्रदेश जनपद प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा, अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र कुमार तिवारी, जिला मुख्य आयुक्तध जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी एन सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अजय गिरि एवं विधायक संदीप पटेल, जिला आयुक्त कब सेक्शन वीरेंद्र कनौजिया, सहायक कमिश्नर धर्मेंद्र सिंह अवधेश कुमार सिंह को स्कार्फ वागेल तथा स्टिकर लगाकर स्थापना दिवस मनाया गया।इस अवसर पर भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जनपद प्रयागराज के जिला सचिव डॉक्टर पी पी सिंह सहायक लीडर ट्रेनर पीयूष कुमार सिंह जिला प्रशिक्षण आयुक्त फिरोज आलम खान भावना मंगोलकर जिला संगठन

राइजिंग स्टार क्लब की जीत में नुजैफ चमके

प्रयागराज। मोहम्मद नुजैफ के बहुमुखी खेल (20 रन एवं चार विकेट) राइजिंग स्टार क्लब ने भानु प्रताप क्लब को 27 रन से हराकर शशि द्विवेदी अंडर–14 बालिका एवं बालक क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किया। चक हरिहर वन झूंसी मैदान पर शुक्रवार को खेले गए मैच में राइजिंग स्टार क्लब ने 34.5 ओवर में 129 रन (दीपेश 29, मोहम्मद नुजैफ 20, रतन दीप 18, जय कुमार 13, राज 2ध12, रितेश 2ध27, अर्पित 2ध33) बनाए। जवाब में भानु प्रताप क्लब की टीम 28.5 ओवर में 102 रन (ओम जायसवाल 32, मोहम्मद नुजैफ 4ध26, नितिन 17, रमन सिंह 2ध13, दीपांश सिंह व जय कुमार के विकेट) पर सिमट गई। मैच में हितेश श्रीवास्तव व ऐमन सिद्दीकी अंपायर एवं आशीष भारतीय स्कोरर रहे।

वंदे मातरम का डीएम और पुलिस कमिश्नर कार्यालय समेत कई जगहों पर हुआ सामूहिक गान

''वंदे मातरम'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रध ाानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण

प्रयागराज। राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में किया गया।इस अवसर

ाारत के विकास व आर्थिक मजबूती के लिए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की आवश्यकता -पटेल

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, के तत्वावध ाान में जनपद स्तरीय तीन दिवसीय सरस मेला का आयोजन 5 नवम्बर से 7 नवम्बर 2025 तक विकास भवन मीरजापुर में आयोजित किया गया। तृतीय एवं अंतिम दिवस समापन समारोह में विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, मण्डलायुक्त विंध्याचल मंडल राजेश प्रकाश, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, चेयरमैन सहकारिता जगदीश सिंह पटेल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार की उपस्थिति में सरस मेले में भारी जनसैलाब उमड़ा एवं उपस्थित अधि ाकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा समूहों के स्टालों का भ्रमण करते हुए उनका उत्साहवर्धन करते हुए अत्यधि ाक मात्रा में समूहों द्वारा उत्पादित सामग्री का क्रय किया गया। विध ाायक मड़िहान ने कहा कि देश के विकास व आर्थिक मजबूती के लिए स्वादेशी उत्पादों को बढ़ाना एवं अपनाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि प्रत्येक घरों में स्वादेशी उत्पादो का सामान उपलब्ध ा हो। उन्होंन कहा कि सरस मेला मे राष्ट्रीय आजिविका मिशन के अन्तर्गत जनपद के गांव–गांव में गठित स्वंय सहायता समूहो के द्वारा विभिन्न उत्पादों के सामान लगाए गए है मेले आए सभी लोग उनके सामानो को खरीदते हुए उत्साहवर्धन करें, ताकि स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा मिल सके। विध ाायक मड़िहान ने वर्तमान सरकार द्वारा विद्युत आपूर्ति, सुमंगला योजना, शक्ति मिशन, उज्जवला योजना सहित अनेक योजनाओ को संचालित करते हुए उसका लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा व शिक्षा पर सरकार का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरस मेला के समापन अवसर पर मण्डलायुक्त राजेश प्रकाश ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारे देश में महिलाओं को लक्ष्मी की उपाधि की दी जाती है आज शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओ के माध्यम से वे स्वंय का रोजगार समूहों के माध्यम से करते हुए स्वंय वास्तव में लक्ष्मी अर्थात ध ानार्जन करते हुए आत्मनिर्भर भी बन रही है। उन्होंने कहा कि जब हमारे घर व समाज की महिलाएं आत्म निर्भर बनते हुए विकसित होंगी तभी भारत देश विकसित होगा। उन्होंने स्वादेशी सामानो के उपयोग पर बल देते हुए कहा कि स्वादेशी अपनाएं ताकि भारत दुनिया मे सबसे अग्रणी देश बनकर उभरे। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने अपने सम्बोधन में कहा कि एनआरएलएम के सहयोग से समूह गठित कर महिलाएं जो अपना स्वारोजगार करते हुए आत्म निर्भर बन रही है उनके उत्पादो को एक मंच पर मार्कट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरस मेला का आयोजन किया गया है ताकि लोग स्वादेशी उत्पादों, स्थानीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके और उसका उपयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि समूह महिलाओ के द्वारा गुणवत्तापूर्ण बनारसी साड़ी बनाई जा रही है जो बनारस की अपेक्षा काफी सस्ता है। जिलाधिकारी ने कहा कि इनके प्रोडक्ट में और निखार लाने के लिए नई–नई डिजाइनो का प्रशिक्षण दिलाया जाए, ताकि वे मीरजापुर में उत्पादित वाराणसी साड़ी का नाम विन्ध्य साड़ी या उत्पाद के नाम से जाना जा सके। कार्यक्रम में चेयरमैन सहकारिता जगदीश सिंह पटेल ने सरस मेला में लगाए गए स्टालों का निरीक्षण करते हुए कई सामानो को क्रय किया गया। तथा कार्यक्रम में अपने सम्बोधन मे के तहत स्वादेशी व स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल देते हुए अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने देश, प्रदेश व जनपद के छोटे–छोटे उद्योग से उत्पादित विभिन्न सामान को प्रोत्साहित किया जाए ताकि लघु उद्यमी को बढ़ावा मिल सके और देश में सभी को आत्म निर्भर बनाते हुए विकसित भारत की दिशा मे ले जाकर प्रध ाानमंत्री के सपने को साकार किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने सरस मेला कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सभी जनप्रतिनिधिगण, मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी को ओडीओपी के पीतल से बने उत्पाद के स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम व पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत व अभिनन्दन किया। उपायुक्त एनआरएलएम ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वयं सहायता समूह के स्टाल के अलावा अन्य विभाग जैसे उद्योग विभाग, खादी विभाग, उद्यान विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग, का भी स्टाल लगाया गया। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित, उत्पादित उत्पादों की बिक्री तृतीय दिवस में लगभग 1233000 रुपए का बिक्री हुई एवं तीन दिवस में मेले में कुल 2663850 की बिक्री की गई। सरस मेले में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें लोकगायक अमरनाथ शुक्ला एण्ड पार्टी व पतालू यादव एण्ड पार्टी के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। बैठक मे परियोजना निदेशक डीआरडी धर्मजीत सिंह, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी राजेश सोनकर, जिला कार्यक्रम अधि ाकारी वाणी वर्मा, उपायुक्त मनरेगा सहित सभी अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विंध्याचल पुलिस को मिली बड़ी सफलता, दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार

मीरजापुर। जिले की विंध्याचल पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है, पुलिस ने दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार करते हुए 100 किलो अवैध गांजा और दो लग्जरी गाड़ियां बरामद किया है। बरामद गांजे की कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के मुताबिक तस्कर मध्य प्रदेश से गांजा लाकर यूपी के बॉर्डर वाले जनपदों में इसकी सप्लाई किया करते थे। पकड़े गए गांजा तस्कर जितेंद्र साकेत और संदीप साकेत बताएं गए हैं। गिरफ्तार दोनों गांजा तस्कर मध्य प्रदेश के मऊ जनपद के रहने वाले हैं। गांजा तस्करों का सरगना दीपक केवट फरार है। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों गांजा तस्करों से पूछताछ कर भेजा जेलीओ सिटी विवेक जावला ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी है। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर की जा रही कार्यवाही में नितेश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक नगर व विवेक जावला क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना विन्ध्याचल पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मुखबीर की सूचना के आधार थाना विन्ध याचल पुलिस टीम द्वारा सघन वाहन चेकिंग कर दो चार पहिया वाहन में सवार 2 व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गये लोगों द्वारा पूछताछ में अपना नाम–पता जितेन्द्र साकेत उर्फ जीतू पुत्र रघुनाथ साकेत निवासी बहेरी थाना मऊगंज जनपद मऊगंज, मध्य प्रदेश व संदीप साकेत उर्फ भानू पुत्र ददन प्रसाद निवासी ढेरा थाना मऊगंज जनपद मऊगंज, मध्य प्रदेश बताया गया है।

जन-जागरूकता ही कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय

आजमगढ़ (आर एन एस) जनपद के और सीएमओ कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने कहा कि समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण और जीवनशैली में सुधार ही इस गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने तंबाकू, गुटखा और सिगरेट की बढ़ती खपत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इनके सेवन से मुख और फेफड़ों के कैंसर की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। सीएमओ ने बताया कि प्रदेश सरकार शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़ में डे–केयर कैंसर यूनिट स्थापित करने जा रही है, जिससे कैंसर संबंधी अनेक जाँचें यहीं उपलब्ध हो सकेंगी। इस संबंध में आवश्यक सूचनाएँ शासन को भेजी जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि देश में सर्वाइकल कैंसर तेजी से बढ़ रहा है, इसके बचाव हेतु 9 से 14 वर्ष की आयु की बालिकाओं को वैक्सीन शीघ्र ही लगना प्रारम्भ होगी। एडिशनल सीएमओ डॉ उमाशरण पांडेय ने कहा कि लगभग 90 प्रतिशत कैंसर अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान–पान के कारण होते हैं। महिलाओं से उन्होंने अपील की कि स्नान के दौरान शरीर के ऊपरी भाग में किसी गांठ का आभास हो तो तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें, जिससे ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम संभव है उन्होंने कहा जन–जागरूकता ही सबसे प्रभावी बचाव है। एनसीडी के नोडल एवं डिप्टी सीएमओ डॉ आलेन्द कुमार ने भी कैंसर जैसी गंभीर बिमारी से बचाव में जनजागरूकता को ही विशेष बल दिया। गोष्ठी में रोटरी क्लब, इनरव्हील क्लब, भारत विकास परिषद, होम्योपैथिक एसोसिएशन एवं व्यापार संगठन सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वक्ताओं में प्रमुख रूप से डॉ. नवनीत गुप्ता फिजिशियन, मंडलीय चिकित्सालय, श्री संत प्रसाद अग्रवाल व्यापार मंडल, श्रेय अग्रवाल रोटरी क्लब, डॉ. अलका सिंह इनरव्हील, डॉ. राजकुमार राय और डॉ. देवेश दुबे होम्योपैथिक संगठन से और राहुल मिश्रा, सीताराम पांडेय एवं बद्री प्रसाद भारत विकास परिषद से शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्रचार–प्रसार मनीष तिवारी द्वारा किया गया।

मतदेय स्थल सम्भाजन पर बैठक, राजनीतिक दलों से सुझावध्आपत्तियां आमंत्रित

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय के मार्ग निर्देशन में अपर जिलाधिकारी प्रशासनध् उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राहुल विश्वकर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदेय स्थलों के सम्भाजन प्रस्ताव पर सुझावध् आपत्तियां प्राप्त करने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि दिनांक 29 अक्टूबर 2025 से 04 नवम्बर 2025 तक मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन, पुनर्निधारण एवं नये मतदेय स्थल स्थापित करने हेतु भवनों का चिन्हांकन कराया गया। 10 नवम्बर 2025 को आपत्तियों एवं सुझावों हेतु मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची का प्रकाशन किया जायेगा एवं मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची मा०प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी जायेगी। 18 नवम्बर 2025 को वर्तमान संसद सदस्यों, विधानसभा सदस्यों तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठकों के आयोजन के पश्चात शिकायतों एवं सुझावों के निस्तारण के बाद सूची को अन्तिम रूप दिया जायेगा। 19 नवम्बर से 21 नवम्बर 2025 तक जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी संलग्नकों सहित मतदेय स्थलों का प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को आयोग के अनुमोदनार्थ भेजने हेतु उपलब्ध कराया जायेगा। 24 नवम्बर 2025 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी, कार्यालय द्वारा सम्भाजन संबंधी प्रस्ताव आयोग के अनुमोदनार्थ प्रेषित किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदेय स्थल सम्भाजन के सम्बन्ध में आयोग के निर्देशानुसार राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि मतदेय स्थल भवन तथा उससे सम्बद्ध भाग का शत् प्रतिशत भौतिक सत्यापन कराया जायेगा। बहुमंजिली भवनोंध्ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीध्आर० डब्लू० कालोनी जिनके पास अपना परिसर में भूतल पर सामान्य सुविधा क्षेत्रध् सामुदायिक हॉल हो, वहां नये मतदेय स्थल स्थापित किये जाने पर विचार किया जा सकता है। एक पोलिंग स्टेशन लोकेशन पर मतदेय स्थलों के मध्य यथासंभव उचित संख्या में मतदाता हो और कोई भी परिवार न टूटे तथा परिवार के सभी मतदेय समान अनुभाग एवं समान स्थान पर रखे जायेंगे। जर्जर, निष्प्रयोज्य भवनों के स्थान पर उपलब्ध सरकारी भवनों को प्रस्तावित किया जायेगा। मतदेय स्थलों को रंगिंग सीरियल नम्बर दिये जायेंगे। मतदेय स्थलों की सूची में कोई भी आक्जिलरी (सहायक) मतदेय स्थल नहीं रखा जायेगा। 300 से कम मतदाता वाले मतदेय स्थलों को रखा जाना अपरिहार्य हो तो उस मतदेय स्थल को बनाये रखे जाने के संबंध में स्पष्ट कारण का उल्लेख किया जायेगा। शहरी क्षेत्रों में जहाँ नयी आवासीय कालोनियां गत कुछ वर्षों में बनी हैं और उसमें नागरिक निवास करने लगे हैं तो वहाँ पर यथावश्यकता नया पोलिंग स्टेशन बनाया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो मतदेय स्थल मुख्य गाँवध्बस्ती से पर्याप्त दूरी पर हैं, उन मतदेय स्थलों को वहाँ से हटाकर मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत किसी सुविधानजनक भवन में स्थापित किए जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदेय स्थल की दूरी लगभग 02 कि०मी० से अधिक न होनी चाहिए। समस्त मतदेय स्थल भवनों को भूतल पर होना आवश्यक है। दिव्यांगजनों और अशक्त मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर रैम्प की उपलब्धता करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनैतिक दल या लेबर यूनियन के कार्यालय से 200 मीटर के अन्दर कोई भी मतदेय स्थल नहीं बनाया जाए। यदि कोई मतदेय स्थल निजी भवन में स्थापित है और वहां यदि शासकीय भवन उपलब्ध हो गये है तो उक्त मतदेय स्थलों को शासकीय भवनों में स्थानान्तरित कर दिया जायेगा। यदि कोई मतदेय स्थल दुकानध्व्यवसायिक प्रतिष्ठानध्व्यक्तिगत सामुदायिक केन्द्रध् विवाह घर अथवा ऐसे भवन, जिनका स्वामित्व किसी राजनैतिक व्यक्ति के पास है, ऐसे मतदेय स्थलों हेतु विकल्प तलाश कर उनको स्थानान्तरित किया जायेगा।

संग्रामपुर डीहपुर मीरअहमदपुर मार्ग को पुनर्निर्माण की दरकार

आजमगढ़ (आर एन एस)विधानसभा क्षेत्र दीदारगंज के संग्रामपुर वाया डीहपुर मीरअहमदपुर शाहजादा मार्ग दूरी लगभग तीन किलोमीटर यह मार्ग बरदह बूढ़नपुर मार्ग के संग्रामपुर से निकलकर डीहपुर से होते हुए मीरअहमदपुर शाहजादा तक जाता है मार्ग वर्तमान में कूटकर असंख्य गड्ढों में तब्दील हो गया है। मार्ग की गिट्टियां भी उखड़ कर चारो तरफ बिखर गई हैं मार्ग से प्रतिदिन क्षेत्र के अगल बगल के गांवों के लोग इस मार्ग से होकर अपने गंतव्य को जाते हैं। इस मार्ग से छात्र ,किसान, व्यापारी यात्रा करते हैं। हल्की सी भी वर्षा हो जाने से मार्ग में बने गड्ढों में जलजमाव हो जाता है जिससे लोगों के वाहन इन गड्ढों में फंस जाते हैं कभी कभी वाहन बिगड़ भी जाते हैं। क्षेत्र के कृष्णा वर्मा,राजन पांडेय, धीरेन्द्र सिंह, उमेश सिंह एडवोकेट ,अब्दुल्ला, मनोज यादव, मोहम्मद तारिक, राजेश मौर्य,धीरज मिश्र आदि ने सुगम यात्रा के लिए मार्ग को अतिशीघ्र बनाए जाने की शासन प्रशासन से मांग की है।

अहरौला के एक युवक का अंबेडकर नगर में मिला शव

आजमगढ़ (आर एन एस)अहरौला थाना क्षेत्र हाशापुर खुर्द मतलूबपर गांव निवासी राजकमल यादव उर्फ बंटी यादव (20 वर्ष)पुत्र रामजी यादव का बृहस्पतिवार को अंबेडकर नगर जनपद के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तिघरा गांव के पास अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मौके पर अंबेडकर नगर की पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। मृतक राजकमल उर्फ बंटी अपने मां–बाप का इकलौता पुत्र था। और उसकी दो सगी बहनें है। पिता की कुछ साल पहले ही मौत हो चुकी है मिली जानकारी के अनुसार कुछ देर पहले मृतक अपने साथियों के साथ बाइक से अंबेडकर नगर की तरफ गया था लेकिन फिर लौट के नही आया आई तो उसकी मौत की खबर। मृतक कैसे मरा क्या घटना हुई अभी तक इसका कोई खुलासा पुलिस के तरफ से नही किया गया है।

नगर पंचायत निजामाबाद द्वारा नहीं किया जा रहा छिड़काव कस्बे में डेंगू का प्रकोप जारी।

आजमगढ़ (आर एन एस)निजामाबाद नगर पंचायत में गंदगी का भंडार और साफ सफाई और छिड़काव न होने के कारण डेंगू का प्रकोप जारी है। करीब तीन महीना होने वाला है मगर गंदगी और छिड़काव नहीं होने के डेंगू का कहर जारी है। निजामाबाद के वरिष्ठ पत्रकार प्रेम प्रकाश दुबे का पूरा परिवार अस्पताल में भर्ती था वरिष्ठ पत्रकार राकेश पाठक जी का पूरा परिवार वह खुद डेंगू से प्रभावित हैं वरिष्ठ पत्रकार रवि पाठक का पूरा परिवार डेंगू से प्रभावित था वरिष्ठ पत्रकार ओ पी गुप्ता का पूरा परिवार डेंगू की चपेट में आ गया था। पूरे थाने के सिपाही डेंगू के चपेट में थे किसी तरह ड्यूटी कर रहे थे हमारे निजामाबाद के थाना प्रभारी और वरिष्ठ उपनिरीक्षक सर्विदर राय खुद डेंगू की चपेट में आ गए थे। पूरा कस्बा डेंगू की चपेट में है मगर निजामाबाद के नगर अध्यक्ष अलाउद्दीन और अधिशाषी अधिकारी के कान पर जूं नहीं रेंग रहा है। आज तक कभी छिड़काव नहीं हुआ है। हर वार्डों में गंदगी का अंबार लगा है मगर नगर अध्यक्ष को फुर्सत ही नहीं है देखने की। इतिहास में आज तक इतनी महामारी नहीं आई थी जिससे आज तक नगर वासी इतने दिनों तक डेंगू के प्रकोप को झेल रहे हैं। नगर का कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होगा जिसके घर के लोग डेंगू के प्रकोप को झेला नहीं होगा। सभी लोग अस्पताल में जाकर हफ्ते भर जाकर तब वापस आ रहे है। कस्बे और आस पास के अस्पताल मरीजों से भरे हैं। यह सब गंदगी साफ सफाई न होने के कारण हो रहा है। मच्छरों के काटने से डेंगू हो रहा है। मगर नगर पंचायत निजामाबाद में मच्छर मारने की दवा ही नहीं है। नगर पंचायत अध्यक्ष को दिखाई ही नहीं दे रहा है कि नगर के लोग तीन महीने से डेंगू से त्रस्त है लोग अस्पताल में भर्ती हो कर अपनी जान बचा रहे हैं। उपजिलाधिकारी निजामाबाद और सीएमओ खुद एक बार नगर पंचायत का दौरा करे तब नगर की वास्तविकता समझ में आएगी कि निजामाबाद में कितनी साफ सफाई हो रही है। कन्या पाठशाला वार्ड संख्या 11 हरिऔध नगर खुद गंदगी को दर्शाता है कि कस्बा में कितना साफ सफाई हो रही है।

आजमगढ़ में महिला आयोग सदस्य डा. प्रियंका मौर्या का औचक निरीक्षण, सभी संस्थानों की व्यवस्थाएं संतोषजनक

आजमगढ़ (आर एन एस) उ०प्र० राज्य महिला आयोग की मा० सदस्य डा० प्रियंका मौर्या द्वारा जनपद आजमगढ़ में आज जनसुनवाई तथा भ्रमणध्निरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लाक जहानागंज जनपद आजमगढ़ में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया. निरीक्षण के दौरान सारी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पायी गयी। अध्ययन अध्यापन का कार्य सकुशल था, बच्चे खुशहाल थे। इसके उपरान्त प्राथमिक विद्यालय जहानागंज एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय का महोदया द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया, जिसमें सभी कर्मचारी उपस्थित मिले। सारी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित मिली। इसके बाद महोदया द्वारा जिला कारागार आजमगढ़ का निरीक्षण किया गया। जिला कारागार में सारी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित मिली। महोदया द्वारा शौचालय की साफ–सफाई करने हेतु निर्देशित किया गया, रसोई घर की सारी व्यवस्थाएं सही पायी गयी। इसके पश्चात मा० सदस्य द्वारा जिला महिला अस्पताल आजमगढ़ का निरीक्षण किया गया। महोदया द्वारा मरीजों से मिलकर उनका हालचाल पूछा गया। अस्पताल की सारी व्यवस्थाएं ठीक थी। इसके उपरान्त मा० महोदया एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के अध्यक्षता में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मा० महोदया द्वारा केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया तथा नवजात कन्याओं को रोली चन्दन लगाकर स्वागत किया गया। उपहार स्वरूप बेबी किट, कम्बल, मिठाई भेंट की गयी तथा माला पहनाया गया। इस अवसर पर मा० महोदया द्वारा महिलाओं को स्वालम्बी और आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) आदि के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित उपजिलाधिकारी महोदय, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, महिला थानाध्यक्ष, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वन स्टॉप सेन्टर के समस्त कार्मिक उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत महिला आयोग सदस्य डा. प्रियंका मौर्या ने किया जहानागंज के विद्यालयों का निरीक्षण

आजमगढ़ (आर एन एस)। नगर पंचायत जहानागंज बाजार स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहानागंज का निरीक्षण शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर संतोष व्यक्त किया और बच्चों से संवाद स्थापित कर उन्हें मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। निरीक्षण के दौरान डॉ. प्रियंका मौर्या सबसे पहले कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने छात्राओं से रहन–सहन, भोजन, पेयजल, सुरक्षा और शिक्षण व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि "मैं इससे पहले तीन बार इस विद्यालय का निरीक्षण कर चुकी हूं, लेकिन इस बार यहां की व्यवस्थाएं काफी बेहतर मिलीं। शिक्षक पूरी तरह से उपस्थित हैं, भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक है और पानी की व्यवस्था भी ठीक है।" इसके बाद उन्होंने पास ही स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहानागंज का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विद्यालय की लाइब्रेरी, विज्ञान कक्ष, स्मार्ट क्लास और स्वच्छ, हरा–भरा परिसर देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि "यह विद्यालय इस बात का प्रमाण है कि हमारे सरकारी स्कूल किसी भी निजी विद्यालय से कम नहीं हैं। यहां की स्वच्छता, अनुशासन और शिक्षकों की मेहनत छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी देती है।" डॉ. मौर्या ने छात्र–छात्राओं से बातचीत करते हुए कहा कि "आप सभी पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई करें, अपने माता–पिता और शिक्षकों का नाम रोशन करें। शाम को घर जाकर पढ़ाई की पुनरावृत्ति करें और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। मेहनत का फल जरूर मिलेगा।" तथा विद्यालय की व्यवस्था से प्रसन्न होकर विद्यालय की शिक्षक डॉ विवेक सिंह को प्रियंका मौर्या ने साल भेंट करके सम्मानित भी कियाइस अवसर (एसडीएम), खंड शिक्षा अधिकारी नवनीत कुमार चौबे, कस्तूरबा विद्यालय की प्रधानाचार्या चंद्रा राय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य श्यामलता सिंह, डॉ. विवेक सिंह, प्रियंका सिंह, शशिकला, राम सिंह, सुनीता सिंह सहित दोनों विद्यालयों के सभी शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रियंका मौर्या ने मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को महिला सुरक्षा, स्वावलंबन और आत्मरक्षा से संबंधित जागरूकता संदेश भी दिए तथा विद्यालयों के शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सराहा।

श्री कृष्ण गीता राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लालगंज

आजमगढ़ (आर एन एस)हुआ राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का गायन, श्री कृष्ण गीता राष्ट्रीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लालगंज आजमगढ़ में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं छात्र – छात्राओं के बीच राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन किया गया। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ऋषिकेश सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम की रचना बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा 07 नवम्बर 1875 को अक्षय नवमी के शुभ अवसर पर की गयी थी जो बाद में 1882 में उपन्यास श्आनन्दमठश् में प्रकाशित हुई। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान यह गीत अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक बन गया था। महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं डॉक्टर दीपमाला मिश्रा, डॉक्टर दुर्गावती सिंह, डॉक्टर लक्ष्मी वंदना विश्वकर्मा और डॉक्टर प्रतिमा दूबे ने राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का सस्वर गायन किया। संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन डॉक्टर अतुल कुमार यादव और डॉक्टर सुनील कुमार सिंह ने किया

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गान करके अधिवक्ताओं ने गीत की 150वीं वर्षगांठ मनाया

आजमगढ़(आर एन एस)राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गान करके अधिवक्ताओं ने गीत की 150वीं वर्षगांठ मनाया। दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह की अध्यक्षता व वरिष्ठ समिति के अध्यक्ष समर बहादुर सिंह के मार्ग निर्देशन में शुक्रवार को संघ भवन में अधिवक्ताओं ने सामूहिक राष्ट्र गीत गा कर 150वीं वर्षगांठ धूमधाम से मना कर मिष्ठान का विवरण किया गया। इस अवसर पर समर बहादुर सिंह ने राष्ट्रीय गीत के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इस अवसर पर धर्मेश पाठक, अमरनाथ यादव, प्रसिद्ध नरायन सिंह, ओमप्रकाश वर्मा, राजनाथ यादव, विनय शंकर राय,राम स्वारथ, देवधारी राय,संतोष कुमार सिंह,संजय कौशिक,अनुज तिवारी, नीरज पांडेय, उत्कर्ष तिवारी,कृष्ण कुमार सेठ,अंकुर मिश्रा ,राजेश कुमार सिंह,शिव प्रकाश यादव सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

निजामाबाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई पेट्रोलिंग।

आजमगढ़ (आर एन एस) वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ०अनिल कुमार के निर्देश पर आम जन में सुरक्षा की भावना जगाने के लिए अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से निजामाबाद थाना प्रभारी हीरेंद्र प्रताप सिंह ने कस्बे में अपने हमराहियों के साथ सघन पेट्रोलिंग की यह पेट्रोलिंग फरहाबाद तिराहे से शुरू होकर पुरानी सब्जी मंडी,घूरीपुर चौराहा,देवकी सेठ चौक,ठाकुर द्वारा चौक,पुल चुंगी सेंटरवा मोड़ आदि जगहों पर पेट्रोलिंग हुई और फरहा बाद तिराहा पर चेकिंग अभियान भी चलाया गया। यहाँपर पुलिसकर्मियों ने संदिग्धों की तलाशी भी ली और सुरक्षित यातायात को लेकर हीरेंद्र प्रताप सिंह ने चेकिंग के दौरान लोगों को जागरूक किया। बिना हेलमेट के बाइक चलाने वालों को जागरूक करते हुए थाना अध्यक्ष ने कहा कि दोपहिया वाहनों से सुरक्षित सफर के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। हेलमेट पहन कर चलने से जहां चालान से बचा जा सकता है और वही सड़क हादसे के दौरान हेलमेट जीवन को सुरक्षित ही करता है। श्री सिंह ने बताया कि बिना हेलमेट दुर्घटनाओं में लोगों की मौतें हो जाती है एक सावधानी वाहन चालक और उसके परिवार को कितनी मुसीबतों से बचा सकती है। किशोरावस्था में वाहन चलाने वालों पर भी शिकंजा कसा गया उन्होंने लोगों से अपील की नियमों के अनुसार चलें जीवन सरल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान जारी रहेगा जिससे वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगेगी तथा सरकारी राजस्व का इजाफा होगा और लोग यातायात नियमों के प्रति सजग भी रहेंगे। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों में अफरा–तफरी का माहौल रहा। कम उम्र में बिना लाइसेंस बाइक चलाने वालों पर भी पुलिस की नजर रही। चेकिंग के दौरान लोग अपनी दोपहिया वाहनों को लेकर गली और इधर उधर भागते दिखे। इस अभियान में थानाध्यक्ष के साथ वरिष्ठ उपनिरीक्षक सविंदर रॉय, उपनिरीक्षक कमला पटेल,महिला उपनिरीक्षक सानिया गुप्ता का० मुलायम यादव,कृष्णचंद महिला आरक्षी आकांक्षा तिवारी,रुचि तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

हरिऔध कला केन्द्र में 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन व लघु फिल्म का प्रदर्शन

आजमगढ़ (आर एन एस) राष्ट्रवाद के अग्रदूत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा वर्ष 1875 में रचित राष्ट्रगीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "वंदे मातरम" के सामूहिक गायन एवं स्वदेशी का संकल्प कार्यक्रम मा0 प्रधानमंत्री जी अध्यक्षता में दिल्ली में एवं मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा दिल्ली में एवं मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा लोकभवन लखनऊ में लगाई गयी प्रदर्शनी का अवलोकन के पश्चात् वंदे मातरम् के इतिहास से सम्बन्ध में सम्बोधन किया गया। उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण हरिऔध कला केन्द्र आजमगढ़ में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारीध् जिला विकास अधिकारी श्री संजय कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री राजीव पाठक की उपस्थिति में देखा गया। इसके साथ ही वंदे मातरम् पर आधारित लघु फिल्म को देखा गया। राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 07 नवम्बर, 2025 से 07 नवम्बर, 2026 तक भव्यतापूर्ण ढंग से समारोह मनाया जायेगा। शासन द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में उक्त समारोह पूरे प्रदेश में चार चरणों यथा– प्रथम चरण–दिनांक 07 से 14 नवम्बर, 2025 तक, द्वितीय चरण (गणतंत्र दिवस के कार्यक्रमों के साथ) दिनांक 19 से 26 जनवरी 2026 तक, तृतीय चरण (हर घर तिरंगा–2026 के साथ) दिनांक 07 से 15 अगस्त, 2026 तक और चौथा चरण (समापन समारोह) – दिनांक 01 से 07 नवम्बर, 2026 तक भव्य ढंग से मनाया जायेगा। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा कम्पोजित विद्यालय एलवल, जू0हाई0 स्कूल जाफरपुर एवं राजकीय बालिका इण्टर कालेज आजमगढ़ के छात्रध्छात्राएं एवं संबंधित विद्यालयों के अध्यापकध् अध्यापिकाएं उपस्थित रहे।

ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए रूपये 10.00 लाख तक के ऋण पर मिलेगा 5 साल तक ब्याज अनुदान

आजमगढ़ (आर एन एस) जिला ग्रामोद्योग अधिकारी दीपक मिश्रा ने बताया है कि उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना में वित्तीय वर्ष 2025–26 में लक्ष्य प्राप्त हो गया है। इस योजना में अधिकतम परियोजना लागत रू0 10.00 लाख तक बैंक ऋण हेतु कक्षा 8 उत्तीर्ण, पॉलीटेक्निकध् आईटीआई उत्तीर्ण एवं पूर्व से कार्यरत परम्परागत कारीगरध्अनुभवी व्यक्तियों जो ग्रामीण क्षेत्र के मूल निवासी हो एवं ग्रामीण क्षेत्र में ही बैंक के माध्यम से ऋण लेकर स्व उद्यम स्थापित करने के इच्छुक हो तथा जिनकी उम्र 18 वर्ष से 50 वर्ष के बीच हो, आवेदन कर सकते है। योजना में सामान्य वर्ग के पुरूष लाभार्थी को कुल परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग (अनुसूचित जातिध्जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विकलांग, भूतपूर्व सैनिक एवं महिलाओं) को 05 प्रतिशत स्वयं का अंशदान लगाना अनिवार्य है। बैंक से प्राप्त पूँजीगत ऋण पर (कार्यशील पूँजी को छोड़कर) सामान्य वर्ग के पुरूष लाभार्थी को 04 प्रतिशत ब्याज के अलावा शेष ब्याज भुगतान जबकि आरक्षित वर्ग के सभी लाभार्थियों को पूँजीगत ऋण पर (कार्यशील पूँजी को छोड़कर) सम्पूर्ण ब्याज भुगतान लगातार 05 वर्षों तक राज्य सरकारध्विभाग द्वारा किया जायेगा। जो उद्यमी पूर्व में किसी अन्य सरकारी योजना में ऋणध् अनुदान प्राप्त कर चुके हैं, पात्र नहीं है। ऐसे इच्छुक नये उद्यमीध् लाभार्थी जो योजना की उपरोक्त पात्रता रखते हो और स्वतद्यम करना चाहते हो, वे ेंरंदहचवतजंसण्नचण्हवअण्पद बउमहच.कंज–बमदजमत.बव.पद पोर्टल पर विभिन्न वांछित दस्तावेजों की अपलोडिंग सहित आनलाईन आवेदन कर सकते हैं एवं आवेदन फार्म की प्रिंटेड प्रति के साथ ही अपना फोटो, निवास प्रमाण–पत्र, जाति प्रमाण–पत्र, शैक्षिक ध् प्राविधिक योग्यता प्रमाण–पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट एवं इकाई लगाने के स्थान की ग्राम प्रधान द्वारा प्रमाणित चौहद्दी आदि की प्रति संलग्न करते हुए हार्ड कापी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, सिधारी आजमगढ़ में जमा करना अनिवार्य है। लाभार्थी का चयन स्कोर कार्ड के आधार पर किया जायेगा। विस्तृत जानकारी हेतु निम्न नम्बरों–8795654241, 9935753655 पर समार्थ कर सकते है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी की समीक्षा, अधिक से अधिक वाद चिन्हित करने के निर्देश

आजमगढ़ (आर एन एस) उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार तथा जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में जनपद न्यायालय, आजमगढ़ तथा समस्त तहसील मुख्यालयों पर दिनांक 13 दिसम्बर 2025 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मोटर दुर्घटना से सम्बन्धित वाद, दीवानी वाद, वैवाहिक वाद, आपराधिक समनीय वाद, एन०आई० एक्ट, विद्युत अधिनियम, बैंक के ऋण सम्बन्धी वाद, राजस्व वाद, चकबन्दी वाद तथा वे समस्त वाद जो सुलह समझौता के तहत निस्तारित किये जा सकते है, को जरिये सुलह समझौता निस्तारित कराया जायेगा। राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए न्यायिक नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत श्री संतोष कुमार यादव, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ श्री अंकित वर्मा की उपस्थिति में दीवानी न्यायालय परिसर के हॉल ऑफ जस्टिस में न्यायिक अधिकारीगण के साथ बैठक की गयी। जिसमें आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निस्तारण हेतु बल दिया गया। नोडल अधिकारी ने बताया कि सभी न्यायिक अधिकारीगण आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों में नोटिसध्सम्मन भेजें, जिससे कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक

बरदह क्षेत्र के जखावा सतैनी गांव की मुसहर बस्ती में वायरल फीवर से सुअरों की मौत, पशु चिकित्सा टीम ने किया निरीक्षण

आजमगढ़, (आर एन एस)बरदह थाना क्षेत्र के जखावा सतैनी गांव स्थित मुसहर बस्ती में वायरल फीवर फैलने से पालतू सुअरों की लगातार हो रही मौत से गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार श्रीवास्तव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सभी सुअरों की जांच की। जांच में कुछ सुअरों में वायरल बुखार की पुष्टि हुई है, जिसके कारण बड़ी संख्या में मौतें हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दीपावली से पहले दवा दी गई थी, लेकिन उसके बाद से दवा उपलब्ध नहीं हो रही। ब्लॉक स्तर पर भी दवा की प्रतीक्षा के बावजूद कोई राहत नहीं मिली। ग्रामीण शौकीन पुत्र मिठाई लाल ने बताया कि उनके 20 सुअर दो दिनों में मर गए। गांव में अब तक लगभग 26 सुअरों की मौत हो चुकी है। डॉ. अजय कुमार ने बताया कि सुअरों में वायरल संक्रमण फैलने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने बस्ती के लोगों को साफ–सफाई बनाए रखने और बीमार जानवरों का तुरंत उपचार कराने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि किसी भी समस्या की स्थिति में लोग उनके दिए गए व्यक्तिगत नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत आजमगढ़ में रिवर रैंचिंग कार्यक्रम सम्पन्न

आजमगढ़ 07 नवम्बर(आर एन एस)सिधारी पुल के समीप प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत रिवर रैंचिंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य विक्रांत सिंह "रिशू" के कर कमलों द्वारा आज महावीर घाट, तमसा नदी में 2.00 लाख मत्स्य बीज अंगुलिका का संचय किया गया। विधान परिषद सदस्य विक्रांत सिंह "रिशू" ने कहा कि मत्स्य विभाग की यह योजना देश की देशज मत्स्य संपदा के संवर्धन के लिए एवं मछुआरों के रोजगार व स्वावलंबन के लिए अति महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर उपनिदेशक मत्स्य आजमगढ़ मण्डलध् डॉ0 आर0के0 गौड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम नारायण तिवारी, निषाद पार्टी के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंगद निषाद, मत्स्य निरीक्षक पवन कुमार यादव, मड़या के सभासद मुन्ना निषाद, पूर्व प्रधानाचार्य रामा सिंह, आलोक सिंह डी0डी0 न्यूज, सक्रिय मत्स्यपालक व मीडिया बन्धु के साथ ही जिला प्रशासन के लोग उपस्थित रहे।

आरबीआई ने 35 टन सोना बेचने की रिपोर्ट्स को किया खारिज, कहा- अफवाहों पर विश्वास न करें

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोशल मीडिया पर चल रही उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया है कि केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार से करीब 35 टन सोना बेच दिया है।इसके साथ ही, आरबीआई इन रिपोर्ट्स को केवल निराधार अफवाह बताया है और आधिकारिक जानकारी के लिए लोगों को वेरिफाइड सोर्स से जानकारी प्राप्त करने को कहा है।पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट द्वारा की गई एक्स पोस्ट में बताया गया कि केंद्रीयबैंक ने स्पष्टीकरण दिया है कि इस प्रकार की कोई बिक्री नहीं की गई है और जनता से अपील की कि केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।आरबीआई ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने पीआईबी फैक्ट चेक यूनिट के माध्यम से उन दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि आरबीआई ने अपने भंडार से 35 टन सोना बेचा है। आरबीआई सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही निराधार अफवाहों के प्रति आगाह करता है। आरबीआई से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए कृपया आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।यह स्पष्टीकरण सोने के बाजार में बढ़ती वैश्विकरुचि और अस्थिरता के बीच आया है, क्योंकि कई प्रमुख केंद्रीय बैंक अपनी सोने की खरीदारी में लगातार वृद्धि कर रहे हैं। उभरती अर्थव्यवस्थाएं, विशेष रूप से, अमेरिकी डॉलर से दूर जाने के लिए अपने सोने के भंडार में वृद्धि कर रही हैं। यह ट्रेंड 2022 में पश्चिमी देशों द्वारा रूस की रिजर्व एसेट्स को फ्रीज करने के बाद और तेज हो गया है।केंद्रीय बैंक की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 31 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह तक आरबीआई के बाद मौजूद गोल्ड रिसर्व की वैल्यू बढकर 101.72 अरब डॉलर हो गई है।वहीं, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड रिजर्व की हिस्सेदारी बढकर करीब 15 प्रतिशत हो गई है, जो कि कई दशकों का उच्चतम स्तर है। बीते एक दशक में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है, जो कि पहले 7 प्रतिशत थी।

सरकारी बैंकों का होने जा रहा है मर्जर, निर्मला सीतारमण ने दिए बड़े संकेत

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि बैंकों को अपने ग्राहक आधार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी के साथ पर्सन–टू–पर्सन कांटेक्ट पर भी फोकस करने की भी आवश्यकता है। साथ ही, ग्राहकों की सुविधा के लिए स्थानीय भाषा को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार देश के बैंकिंग क्षेत्र में नई दौर की एकीकरण और विस्तार प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में काम कर रही है।सीतारमण ने कहा, 'भारत को बहुत सारे बड़े बैंक चाहिए, विश्वस्तरीय बैंक चाहिए। इसके लिए हमें रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (क्रक्चढ्ढ) और बैंकों के साथ बैठकर चर्चा करनी होगी कि वे इसे आगे कैसे ले जाना चाहते हैंज् इस पर काम पहले ही शुरू हो चुका है।' वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि सरकार और आरबीआई बैंकिंग क्षेत्र के अगले चरण को आकार देने के लिए विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जिनमें मौजूदा बैंकों का विलय और नए वित्तीय संस्थानों का गठन भी शामिल है। उनका कहना था कि भारत की बैंकिंग व्यवस्था को और अधिक गतिशील बनाना होगा ताकि यह बढ़ती क्रेडिट मांग और इंफ्रा फाइनेंसिंग की जरूरतों के अनुरूप काम कर सके। सीतारमण ने कहा, 'हमें ऐसा इकोसिस्टम और माहौल बनाना होगा, जिसमें अधिक बैंक काम कर सकें और बढ़ सकें।'बता दें कि पिछले एक दशक में केंद्र सरकार ने कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एकीकरण किया है, ताकि कार्यक्षमता और पैमाना बेहतर हो सके। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले सुधार केवल विलय तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इससे आगे भी जा सकते हैं। भारत ने अब तक दो बड़ी मर्जर की लहरें देखी हैं। 2017 में, भारतीय स्टेट बैंक (स्क्चढ्ढ) ने अपने सहयोगी बैंकों का विलय किया। इसके बाद 2019 में, 10 सरकारी बैंकों को मिलाकर चार बड़े बैंक बनाए गए। इन कदमों के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के

बैंकों की संख्या 27 से घटकर अब 12 रह गई है। हाल ही में 27 अक्टूबर को रूद्बठ्ठह्ल की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र सरकार एक नया ब्लूप्रिंट तैयार कर रही है ताकि चुनिंदा सार्वजनिक बैंकों का पुनरू विलय किया जा सके और उनके संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके।ढ्ढ पर 'सॉफ्ट टच' नीतिप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बात करते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) को लेकर संतुलित नियामक दृष्टिकोण अपनाने की तैयारी में है। उन्होंने कहा, 'मैं ढ्ढ और उसके नियमन को लेकर क्रक्चढ्ढ और नीति आयोग दोनों के साथ चर्चा कर रही हूं।' उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य इनोवेशन को प्रोत्साहित करना है, लेकिन साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और एथिकल उपयोग पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

भारत ने जीता एशिया कप, नहीं मिली ट्रॉफी! अब आईसीसी पैनल सुलझाएगा यह अजीब विवाद

आईसीसी एशिया कप 2025 ट्रॉफी विवाद को सुलझाने के लिए एक पैनल गठित कर सकता है, क्योंकि भारतीय टीम ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने आईसीसी बैठक में इस मुद्दे को उठाया, जोर देकर कहा कि विजेता भारत को ट्रॉफी तुरंत मिलनी चाहिए, जो अब दुबई स्थित एसीसी कार्यालय में बंद है।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ष्ठ) भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 ट्रॉफी के मुद्दे को सुलझाने के लिए जल्द ही एक पैनल का गठन कर सकती है। भारत ने 28 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर एशिया कप के 2025 संस्करण का खिताब जीता। लेकिन सूर्यकुमार यादव की अगुवाई

वाली टीम को ट्रॉफी नहीं दी गई क्योंकि उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद (।ब्ब) के प्रमुख मोहसिन नकवी से इसे लेने से इनकार कर दिया, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (च्ब्ठ) के अध्यक्ष और पाकिस्तान सरकार में मंत्री भी हैं।भारतीय खिलाड़ियों द्वारा नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार करने के बाद, वह ट्रॉफी लेकर स्टेडियम से चले गए और अब तक इसे भारत वापस नहीं लौटाया है। शुक्रवार (7 नवंबर) को आईसीसी की बैठक में, जहाँ बीसीसीआई के प्रतिनिधि देवजीत सैकिया ने एशिया कप ट्रॉफी का मुद्दा उठाया था, नकवी दुबई स्थित आईसीसी मुख्यालय पहुँचे। क्रिकबज के अनुसार, जब एशिया कप का मुद्दा उठाया गया, तो आईसीसी बोर्ड के सदस्यों के बीच बैठक का माहौल गंभीर होने के बजाय सौहार्दपूर्ण था। बीसीसीआई ने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष के तौर पर नकवी ट्रॉफी अपने पास रखे हुए हैं, जो असल में भारत, भारतीय टीम और बीसीसीआई की है। खबरों के अनुसार, बीसीसीआई सचिव ने कहा कि ट्रॉफी तुरंत भारत को सौंप दी जानी चाहिए। क्रिकबज के अनुसार, जरूरत पड़ने पर आईसीसी एशिया कप ट्रॉफी के मुद्दे पर एक पैनल गठित कर सकता है।

बीसीसीआई का रुखध् यही रहा है कि ट्रॉफी जल्द ही भारत को सौंप दी जानी चाहिए। यह सर्वविदित है कि यह चांदी का बर्तन दुबई स्थित एसीसी कार्यालय में बंद है और नकवी ने आदेश दिया है कि उनकी अनुमति के बिना इसे कहीं और न ले जाया जाए।

भड़के मोहम्मद शमी के कोच, कहा ह जानबूझकर किया जा रहा है नजरअंदाज

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम से बाहर किए जाने पर कोच बदरुद्दीन ने चयनकर्ताओं पर निशाना साधा है। उनका दावा है कि रणजी ट्रॉफी में धमाकेदार प्रदर्शन के बावजूद शमी को अनफिट बताकर जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है, जो उनकी मजबूत वापसी और क्रिकेट करियर को प्रभावित कर सकता है। क्रिकेट विशेषज्ञ भी बीसीसीआई के इस रुख पर सवाल उठा रहे हैं। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के अंतरराष्ट्रीय करियर पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। रणजी ट्रॉफी 2025–26 के शुरुआती तीन मैचों में 15 विकेट झटकने के बावजूद शमी को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। चयन से बाहर किए जाने पर शमी के निजी कोच मोहम्मद बदरुद्दीन ने नाराजगी जताते हुए कहा कि चयनकर्ताओं ने पहले से ही उन्हें नजरअंदाज करने का मन बना लिया है।बता दें कि

शमी ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार फिट भी नजर आए हैं। उनके कोच बदरुद्दीन का कहना है कि "जब कोई खिलाड़ी टेस्ट मैच खेल रहा है, 15 विकेट ले रहा है, तो उसे अनफिट कैसे कहा जा सकता है? यह साफ है कि चयनकर्ता उन्हें जानबूझकर नजरअंदाज कर रहे हैं। अब इसके पीछे की वजह वही बता सकते हैं।"गौरतलब है कि शमी को पहले भारत 'ए' टीम में भी नहीं चुना गया था, जबकि दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ अनऑफिशियल टेस्ट और वनडे सीरीज में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया। इसके बाद जब सीनियर टीम का चयन हुआ तो वहां भी शमी का नाम नहीं था। बदरुद्दीन का कहना है कि "यह फैसला पहले से तय था। अगर टेस्ट टीम का चयन रणजी प्रदर्शन के आधार पर नहीं होगा और टी20 के मापदंडों से होगा, तो यह न्यायसंगत नहीं है। फिटनेस और प्रदर्शन का बहाना बनाना सिर्फ एक ढाल है।"शमी ने आखिरी बार भारत के लिए मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल खेला था, जहां उन्होंने कुल पांच मैचों में नौ विकेट लेकर टूर्नामेंट के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के रूप में जगह बनाई थी।

मौजूद जानकारी के अनुसार, चयन से बाहर किए जाने के बाद शमी निराश हैं, लेकिन उनके कोच का कहना है कि वे जल्द ही मजबूत वापसी करेंगे। बदरुद्दीन ने कहा, "कोई भी खिलाड़ी तब परेशान होता है जब वह अच्छा खेल रहा हो और फिर भी चयन न मिले। लेकिन मुझे भरोसा है कि शमी वापसी करेंगे और जब करेंगे तो सभी आलोचकों को चुप कर देंगे। पूरे देश की नजरें उन पर हैं और जिसने भारत के लिए इतना कुछ किया है, उसे हमेशा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।"बताया जा रहा है कि शमी आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में नजर आ सकते हैं। हालांकि, पिछले सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। इसके बावजूद क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी फिटनेस, अनुभव और स्विंग से भरपूर गेंदबाजी उन्हें फिर से सुर्खियों में ला सकती है। फिलहाल, फैंस और क्रिकेट प्रेमी उनके चयन को लेकर बीसीसीआई के रुख पर नजर बनाए हुए हैं।

एलन मस्क को दुनिया का सबसे बड़ा वेतन पैकेज टेस्ला शेयरधारकों ने दी 1 ट्रिलियन डालर की मंजूरी

टेस्ला के शेयरधारकों ने एलन मस्क के रिकॉर्ड–तोड़ 1 ट्रिलियन डॉलर के संभावित वेतन पैकेज को मंजूरी दी है, जो कॉर्पोरेट इतिहास में सबसे बड़ा है। यह पैकेज टेस्ला के उत्पादन, लाभ और मार्केट कैप के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने पर निर्भर करेगा, जिससे मस्क की कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ जाएगी। यह फैसला एआई और रोबोटिक्स में टेस्ला के भविष्य के लिए मस्क के नेतृत्व को बनाए रखने की एक रणनीतिक पहल है।टेस्ला के सीईओ एलन मस्क एक बार फिर सुर्खियों में हैं। कंपनी के शेयरधारकों ने उनके अब तक के सबसे बड़े और रिकॉर्ड तोड़ वेतन पैकेज को मंजूरी दे दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह पैकेज करीब 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक का हो सकता है, जो किसी भी कॉरपोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वेतन समझौता माना जा रहा है। ने यह प्रस्ताव पिछले साल सितंबर में पेश किया था ताकि मस्क की नेतृत्व

क्षमता और उनके साथ कंपनी की दीर्घकालिक दिशा बरकरार रहे। यह पूरा वेतन पैकेज 12 हिस्सों में बंटा हुआ है, और मस्क को हर हिस्सा तभी मिलेगा जब टेस्ला आने वाले वर्षों में तय किए गए उत्पादन, लाभ और मार्केट कैप से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करेगी।गौरतलब है कि अगर टेस्ला इन सभी लक्ष्यों को प्राप्त कर लेती है, तो एलन मस्क की हिस्सेदारी कंपनी में 13 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। यानी उन्हें करीब 423 मिलियन नए शेयर मिलेंगे, जिनकी कीमत लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है, बशर्ते टेस्ला का मार्केट वैल्यू 8.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचे।रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी के बोर्ड का मानना है कि एलन मस्क की अगुवाई में टेस्ला न केवल इलेक्ट्रिक वाहनों में बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्वचालित वाहनों के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयां छू सकती है। हालांकि कुछ प्रमुख सलाहकार फर्मों जैसे ग्लास लुईस और आईएसएस ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। उनका कहना था कि यह वेतन पैकेज बहुत बड़ा और शासन की दृष्टि से असंतुलित है।जानकारी के मुताबिक, अगर यह प्रस्ताव खारिज हो जाता, तो मस्क ने संकेत दिया था कि वे टेस्ला के सीईओ पद से हट सकते हैं। वोटिंग के बाद एलन मस्क ने निवेशकों का आभार जताते हुए कहा, "मैं आप सभी का बेहद आभारी हूं।"सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अगर मस्क टेस्ला के सभी लक्ष्य हासिल कर लेते हैं, तो यह पैकेज उन्हें प्रतिदिन करीब 275 मिलियन डॉलर की कमाई दिला सकता है, जो किसी भी सीईओ के वेतन के मुकाबले अभूतपूर्व है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, एलन मस्क की कुल संपत्ति इस समय करीब 473 अरब डॉलर है, जिसमें टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्सएआई जैसी कंपनियों में उनकी हिस्सेदारी शामिल है। तुलना करें तो, मस्क का संभावित वेतन दुनिया के अन्य शीर्ष सीईओ की तुलना में कई गुना अधिक है। उदाहरण के लिए, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला ने 79.1 मिलियन डॉलर, एप्पल के टिम कुक ने 74.6 मिलियन डॉलर और एनविडिया के जेनसन

महिला विश्व कप विजेता बेटियों का महाराष्ट्र में सम्मान, सीएम फडणवीस बोले- भारत ने बदला इतिहास

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आईसीसी महिला विश्व कप 2025 की ऐतिहासिक जीत को ष्खुशी का दिनष बताते हुए देश के लिए गौरव का क्षण कहा। उन्होंने टीम को विश्व कप घर लाने और इतिहास रचने के लिए सराहा, विशेष रूप से महाराष्ट्र से स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और कोच अमोल मजूमदार के योगदान को रेखांकित किया। यह जीत महिला सशक्तिकरण और खेल में भारत के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में भारत की जीत की सराहना की और इसे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने विश्व कप घर लाने के लिए टीम की प्रशंसा की। फडणवीस ने क्रिकेटरों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और राधा यादव से बातचीत की, जो महिला विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। बातचीत के दौरान, फडणवीस ने कहा कि यह एक खुशी का दिन है। महिला टीम ने विश्व कप जीता। पहले, हम विश्व कप को कुछ ही देशों में जाते देखते थे। लेकिन आपने सब कुछ बदल दिया और विश्व कप घर ले आए। आपने इतिहास रच दिया है।आईसीसी महिला विश्व कप पर कब्जा करने का भारत का वर्षों पुराना सपना आखिरकार 2005 और 2017 के फाइनल में दो दिल टूटने के बाद एक वास्तविकता बन गया, क्योंकि उन्होंने फाइनल में एक शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराया, जिसमें शेफाली वर्मा (87 और 2ध्36) और दीप्ति शर्मा (58 और 5ध्39) ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया, जो लाखों लोगों के दिमाग में अंकित रहेगा और भविष्य के क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा की कहानी के रूप में काम करेगा।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने भारत की ऐतिहासिक आईसीसी महिला विश्व कप जीत पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश और खासकर महाराष्ट्र के लिए बहुत सम्मान की बात है, जिसने टीम के प्रमुख खिलाड़ियों और मुख्य कोच का योगदान दिया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह हम सभी के लिए बहुत गर्व की बात है कि हमारी महिला टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप का खिताब जीता है... भारत ने इसे पहली बार जीता है... हमारी टीम ने प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मुलाकात की। हम उन्हें भी आमंत्रित करना चाहते थे, लेकिन हम भविष्य में पूरी टीम को आमंत्रित करेंगे। स्मृति मंदाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, राधा यादव और कोच अमोल मजूमदार महाराष्ट्र से हैं, ।

सर्दियों में इस्तेमाल करनी चाहिए कोल्ड क्रीम, इसे लगाने से मिलते हैं ये मुख्य फायदे

सर्दियों में शुष्क हवा चलती है, जिसकी वजह से त्वचा फटने लगती है। ऐसे में साधारण क्रीम असर नहीं कर पाती और रूखेपन को कम करने में सक्षम नहीं हो पाती है। इस मौसम के दौरान कोल्ड क्रीम लगाने की सलाह दी जाती है, जिसे खास तौर से सर्दी के लिए बनाया जाता है। यह तेल वाला गाढ़ा मॉइस्चराइजर होता है, जो त्वचा को गहराई तक हाइड्रेट करता है। इसके जरिए त्वचा की देखभाल करने से ये लाभ मिलते हैं।रूखेपन से मिलता है छुटकारासर्दियों में कोल्ड क्रीम इस्तेमाल करने का सबसे मुख्य लाभ यह है कि इसकी मदद से त्वचा हाइड्रेट रहती है। यह क्रीम रूखेपन का इलाज करके त्वचा को नमी प्रदान करती है। इसे लगाने पर यह आपकी त्वचा की गहरी कोशिकाओं में फैल जाएगी और उनकी पूरी तरह से मरम्मत कर देगी। यह त्वचा पर एक सुरक्षात्मक परत बना देती है, जो नमी को रोकती है और पानी की कमी भी नहीं होने देती।लालपन और खुजली होती है ठीकसर्दियों में कई लोगों की त्वचा लाल पड़ जाती है और उन्हें खुजली भी होती रहती है। ऐसे लोगों के लिए कोल्ड क्रीम लगाना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। यह क्रीम त्वचा की खोई हुई नमी को बहाल करने का काम करती है, जिससे इन दोनों समस्याओं का निवारण हो जाता है। इतना ही नहीं, यह क्रीम त्वचा से जुड़ी आम एलर्जी के इलाज में भी मदद कर सकती है।फटे होंठों को भी देती है नमीकोल्ड क्रीम केवल त्वचा की ही नहीं, बल्कि होंठों की देखभाल में भी सहयोग कर सकती है। इसे नियमित रूप से इस्तेमाल करने से फटे हुए होंठ दोबारा

नमी युक्त हो जाते हैं। अगर आपने एक अच्छी गुणवत्ता वाली कोल्ड क्रीम में निवेश किया है तो आपको अलग से लिप बाम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे दिन में 2 से 3 बार होंठों पर लगाएं और असर देखें। इसकी मदद से होंठों का रंग भी गुलाबी हो जाएगा।त्वचा की बनावट में आता है सुधारकोल्ड क्रीम को रोजाना कम से कम 2 बार तो इस्तेमाल करना ही होता है। ऐसा करने से समय के साथ आपकी त्वचा की बनावट में सुधार आना शुरू हो जाएगा। इसके मॉइस्चराइजिंग तत्व त्वचा को मुलायम बना देते हैं, जबकि ग्लिसरीन जैसे अन्य तत्व गहराई तक नमी प्रदान करते हैं। हाइड्रेशन को रोक कर रखने और नमी बढ़ाने वाले गुणों के कारण कोल्ड क्रीम त्वचा को पर्यावरणीय परेशानियों और डिहाइड्रेशन से बचाती है।

सर्दियों के दौरान इन जड़ वाली सब्जियों को डाइट में शामिल करना है फायदेमंद

सर्दियों के दौरान कई तरह की जड़ वाली सब्जियां बाजार में उपलब्ध होती हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ–साथ सेहत के लिए फायदेमंद भी होती हैं। जड़ वाली सब्जियां विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती हैं, जो हमारे शरीर को कई तरह की बीमारियों से लडने में मदद कर सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी जड़ वाली सब्जियों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन सर्दियों में जरूर करना चाहिए।गाजरगाजर एक लोकप्रिय और सेहतमंद जड़ सब्जी है। इसमें विटामिन–ए, विटामिन–सी और पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है। गाजर का सेवन आंखों की रोशनी को सुधारने, त्वचा को निखारने और दिल की सेहत को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा गाजर में मौजूद बीटा–कैरोटीन शरीर में विटामिन–ए में बदल जाता है, जो आंखों के

लिए फायदेमंद होता है। आप इसे सलाद, सूप या फिर सब्जी के रूप में खा सकते हैं।शकरकंद एक पौष्टिक और स्वादिष्ट जड़ सब्जी है, जो विटामिन–ए, विटामिन–सी और फाइबर से भरपूर होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लडने में मदद करते हैं। शकरकंद का सेवन आंखों की रोशनी को सुधारने, त्वचा को स्वस्थ रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है। आप इसे उबालकर, भूनकर या सलाद में मिलाकर खा सकते हैं। शकरकंद से बने व्यंजन भी काफी पसंद किए जाते हैं।चुकंदरचुकंदर एक खास और पौष्टिक जड़ सब्जी है, जो बीटिन नामक पोषक तत्व से भरपूर होती है। यह पोषक तत्व शरीर में सूजन कम करने में मदद करता है और लीवर को स्वस्थ रखता है। इसके अलावा चुकंदर में नाइट्रेट्स होते हैं, जो रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और दिल की बीमारियों से बचाव में सहायक होते हैं। चुकंदर का सेवन करने से पाचन क्रिया भी ठीक रहती है।मूलीमूली एक ताजगी भरी जड़ सब्जी है, जो एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर से भरपूर होती है।

महेश बाबू की एसएसएमबी 29 से आया विलेन कुंभा का फर्स्ट लुक, व्हील चेयर पर बैठे आंख दिखाते दिखे पृथ्वीराज सुकुमारन

एस.एस राजामौली और महेश बाबू की मोस्ट अवेटेड फिल्म एसएसएमबी29 (ग्लोबट्रॉटर) पर जो बड़ा अपडेट आने वाला था और वो आ गया है. फिल्म से पृथ्वीराज सुकुमारन का बतौर विलेन फर्स्ट लुक सामने आ गया है. राजामौली, महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा सभी ने एक्टर का फर्स्ट लुक शेयर किया है. इस फिल्म में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा भी नजर आएंगी. इस फिल्म का लोगों को बेसब्री से इंतजार है. राजामौली ने फिल्म ग्लोबट्रॉटर (एसएसएमबी29) से बतौर विलेन पृथ्वीराज सुकुमारन का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है. राजामौली ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा है, पृथ्वी के साथ पहला शॉट शूट करने के बाद, मैं उनके पास गया और कहा कि तुम उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हो जिन्हें मैंने अब तक जाना है, इस भयावह, निर्दयी और शक्तिशाली खलनायक कुंभा को जीवंत करना रचनात्मक रूप से बहुत संतोषजनक था, वास्तविकपृथ्वी को कुर्सी पर बैठने के लिए धन्यवाद... सचमुच... ग्लोबट्रॉटर.इससे पहले आज राजामौली ने फिल्म से लोगों को बड़ा हिंट दिया था. राजामौली ने

सुबह–सुबह एक एक्स पोस्ट जारी किया था. राजामौली के इस एक्स पोस्ट ने उनके फैंस की बेताबी को और ज्यादा बढ़ा दिया था. राजामौली ने अपने पोस्ट में बताया था कि आज फिल्म से पृथ्वीराज सुकुमारन का फर्स्ट लुक कभी भी आ सकता है.अपने एक्स पोस्ट में राजामौली ने लिखा था, तीनों के साथ सेट पर क्लाइमेक्स की शूटिंग के बीच, ग्लोबट्रॉटर इवेंट को लेकर और भी तैयारियां चल रही हैं, क्योंकि हम अब तक जो कुछ भी कर चुके हैं, उससे कहीं बढकर कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं... 15 नवंबर को आप सभी के इसे देखने का बेसब्री से इंतजार है, इससे पहले, हम आपके हफ्ते को खास बनाने जा रहे हैं, आज सबसे पहले पृथ्वी का लुक सामने आ रहा है.. .हाल ही में, प्रियंका ने हैदराबाद आकर एक वीडियो शेयर किया था. इस पर देसी गर्ल के फैंस बहुत खुश हुए थे. प्रियंका ने क्लिप में महेश बाबू को भी टैग किया था, जो कि फिल्म की प्रोग्रेस की ओर इशारा करता है. राजामौली की एसएसएमबी29, जिसमें साउथ स्टार महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं, अपनी एलान के बाद से ही चर्चा में है. इससे पहले, अभिनेता के जन्मदिन पर, राजामौली ने साझा किया था कि फिल्म से जुड़ी पहली अपडेट नवंबर 2025 में आएगी. अब, जैसा कि फैंस अपडेट का इंतजार कर रहे हैं, मेकर्स ने अपने स्पेशल कार्यक्रम के बारे में बताया. महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी

मुख्य भूमिकाओं में हैं. निर्माता 15 नवंबर को हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक प्रोग्राम में फिल्म के टाइटल का खुलासा करेंगे, जिसे शाम 6 बजे से जियोहॉटस्टार पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा. हाल ही में 2 नवंबर, 2025 को भारत (महिला) बनाम दक्षिण अफ्रीका (महिला) विश्व कप फाइनल मैच की लाइव स्ट्रीम के दौरान तारीख की घोषणा की गई थी.

दिल्ली क्राइम 3 का ट्रेलर जारी, शेफाली शाह-हुमा कुरैशी के दमदार अभिनय ने खींचा ध्यान

मोस्ट अवेटेड क्राइम थ्रिलर सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है. एक बार फिर एक्ट्रेस शेफाली शाह डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार में वापसी कर रही हैं. इस बार वो एक नए केस की इन्वेस्टिगेशन करेंगी जिसमें उनका सामना बड़ी दीदी (हुमा कुरैशी) से होने वाला है. इस बार डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी और उनकी टीम मानव तस्करी जैसे संगीन अपराध का पर्दाफाश करेगी. दिल्ली क्राइम सीजन 3 के ट्रेलर की शुरुआत हुमा कुरैशी से होती है जो लड़कियों को अपने जाल में फंसाती नजर आती हैं. इसके बाद शेफाली शाह के किरदार की एंट्री होती है जो 30 लड़कियों से भरे ट्रक को पकड़ती हैं जिन्हें दिल्ली ले जाया जा रहा होता है. यहां से जांच पड़ताल शुरू होती है जिसके तार ह्यूमन ट्रैफिकिंग से मिलते हैं

दिल्ली क्राइम सीजन 3 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान हुमा कुरैशी ने अपना वर्क एक्सपीरियंस शेयर किया. उन्होंने कहा– मुझे लगता है कि शेफाली शाह ने जो किया है और रसिका और बाकी सभी ने शो में जो किया है, वो अविश्वसनीय है. मुझे लगता है और इस यूनिवर्स का हिस्सा बनना सम्मान की बात है. उस कहानी को आगे ले जाना सम्मान की बात है और मुझे पता था कि मुझे अपना बेस्ट परफॉर्म करना होगा, क्योंकि वो सभी इतने प्यारे किरदार हैं कि आप सभी ने साल दर साल, सीजन दर सीजन उनका सपोर्ट किया है.तनुज चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी दिल्ली क्राइम सीजन 3 नेटफ्लिक्स पर 13 नवंबर 2025 को रिलीज की जाएगी. सीरीज में शेफाली शाह और रसिका दुग्गल एक बार फिर लौट रहे हैं. वहीं हुमा कुरैशी भी इस बार सीरीज में नजर आएंगी जो कि लीड विलेन का रोल करने वाली हैं. इसके अलावा राजेश तैलंग, जया भट्टाचार्य, अनुराग अरोड़ा, सयानी गुप्ता, मीता वशिष्ठ, केली दोरजी और अंशुमान

पुष्कर भी दिल्ली क्राइम सीजन 3 की स्टार कास्ट का हिस्सा हैं.।

राम चरण की आगामी फिल्म 'पेद्दी' का पहला गाना चिकिरी चिकिरी रिलीज, जान्हवी कपूर के ठुमके ने किया आकर्षित

राम चरण की आने वाली फिल्म पेड्डी को लेकर बढ़ती उत्सुकता के बीच अब इसका पहला गाना चिकिरी चिकिरी रिलीज हो गया है। इस गाने के लिए फैन्स का जोश पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहा था। राम चरण ने पहले ही इसका पोस्टर और एक छोटा वीडियो शेयर कर गाने की एक झलक दिखाई थी। इससे लोगों में जबरदस्त उत्साह बना रहा, और अब इंतजार खत्म चिकिरी चिकिरी सामने आ चुका है। फिल्म पेड्डी का पहला गाना चिकिरी चिकिरी रिलीज हो गया है, और ये गाना वाकई दिलचस्प हैकृखासतौर पर इसका अनोखा शब्द चिकिरी। पूरे गाने में विजुअल्स इतने खूबसूरत हैं कि इसे साल के सबसे शानदार मेलोडी ट्रैक्स में गिना जा सकता है। म्यूजिक के जादूगर ए.आर. रहमान ने एक बार फिर अपना कमाल दिखाया है और म्यूजिक में जादू भर दिया है। अगर ये सिर्फ पेड्डी की एक झलक है, तो साफ है कि फिल्म क्वालिटी और क्रिएटिविटी दोनों में बेहतरीन साबित होने वाली है।मेकर्स ने इस गाने के जरिए वाकई एक शानदार रत्न पेश किया है। राम चरण जहां कमाल लग रहे हैं, वहीं इसका हुक स्टेप भी उतना ही शानदार है। ये ऐसा फुट–टैपिंग नंबर है जो यकीनन दर्शकों के दिमाग में बस जाएगा। मोहित चौहान की सुरीली आवाज ने इस गाने को और भी खास बना दिया है, जिससे ये एक बेहतरीन

म्यूजिकल ट्रैक बन गया है।टीजर वाकई कमाल का था, जिसमें हमने राम चरण को उनका सिग्नेचर बैटिंग शॉट करते हुए देखा था, जो इस गाने में भी दिखता है। उस झलक ने फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ा दिया था, और अब गाना उस उम्मीद पर पूरा उतरता है।उप्पेना फेम निर्देशक बुच्ची बाबू सना की फिल्म पेड्डी को एक रस्टिक इमोशनल ड्रामा बताया जा रहा है। यह फिल्म राम चरण के करियर की सबसे इंटेंस भूमिकाओं में से एक मानी जा रही है। इसके बड़े पैमाने, शानदार कास्ट और ए.आर. रहमान के संगीत ने पहले ही फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। बुच्ची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित पेड्डी में राम चरण मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम किरदारों में दिखेंगे। वेंकटा सतीश किलारू द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली है।

टी-सीरीज की नई पेशकश नाच मेरी नागिन ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

टी–सीरीज और भूषण कुमार लेकर आए हैं एक और धमाकेदार गाना दृ नाच मेरी नागिन। लंबे समय एक नया अवतार पेश करना चाहती थी, और नाच मेरी नागिन के जरिए मैंने वही करने की कोशिश की है। यह एक बहुत

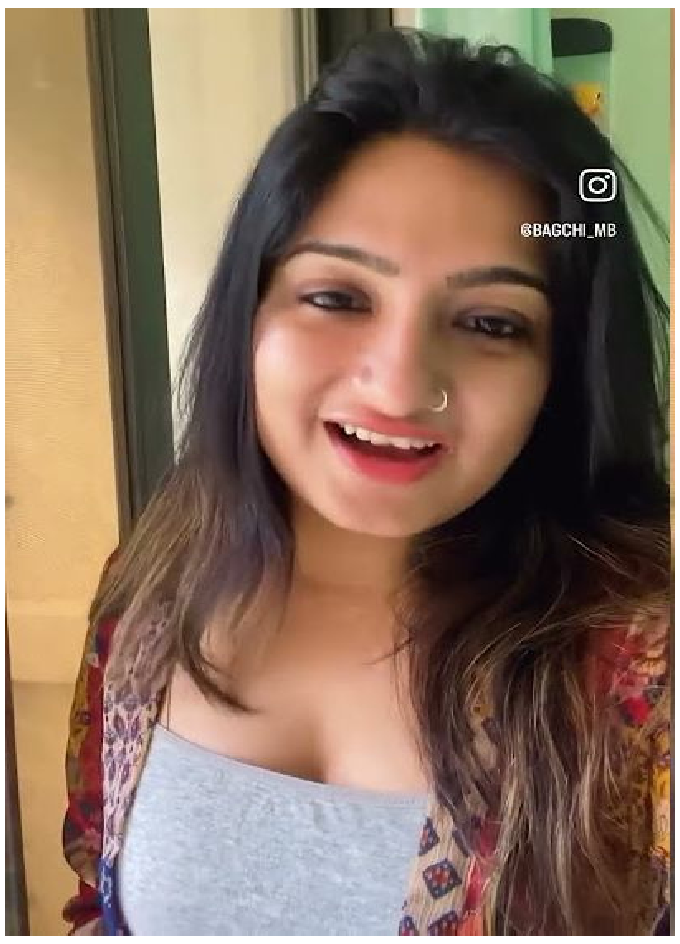

बाद आया यह अनोखा कोलैबोरेशन संगीत, रैप और परफॉर्मेंस का परफेक्ट मिश्रण है, जो इस सीजन का अल्टीमेट पार्टी एंथम बनने वाला है। इस गाने को तनिष्क बागची और नीलकमल ने कंपोज किया है, इसके बोल ध्रिरज कुमार ने लिखे हैं और रैप को पैराडॉक्स ने लिखा और गाया है। इस गाने को अपनी दमदार आवाज दी है मधुमति बागची ने, जबकि वीडियो में नीलकमल, पैराडॉक्स और सौंदर्या शर्मा की एनर्जेटिक ट्रायो नजर आएगी। तेज तर्रार बीट्स, ग्रूवी रैप और एनर्जी से भरपूर म्यूजिक वीडियो के साथ नाच मेरी नागिन मस्ती, डांस और बेफिक्र वाइब्स का जश्न मनाता है। लाल परी को दर्शकों से जो प्यार मिला, उसके बाद मैं ही पेप्पी डांस नंबर है, जिसके लिए मैंने काफी मेहनत और रिहर्सल की है। टी–सीरीज के साथ काम करना हमेशा एक शानदार अनुभव होता है।

हमने इस गाने में ढेर सारी मस्ती, एनर्जी और एंटरटेनमेंट भरा है, और मैं इसे सबके साथ शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड हूँ। टी–सीरीज और भूषण कुमार का बहुत धन्यवाद, जो हमेशा मेरे विजन पर भरोसा करते हैं और मुझे सपोर्ट करते हैं। इस ट्रैक ने मुझे अपने रैप के साथ खुलकर एक्सपेरिमेंट करने का मौका दिया। मैंने खुद को रोका नहीं, बस फ्लो के साथ चला और इसे रॉ और फन रखा। जब आप नाच मेरी नागिन सुनेंगे, तो ये सिफर्ध शब्दों के बारे में नहीं होगा, बल्कि उस मूड के बारे में होगा जो ये बनाता है दृ यही इसे मेरे लिए खघस बनाता है।

देसी लुक में नजर आई श्रीलीला, फैंल बोले - ब्यूटीफुल

अभिनेत्री श्रीलीला ने आज अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

श्रीलीला का यह लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा हैं। श्रीलीला ने अपना जुड़ा भी फ्लॉट किया, जिसमें मोर पंख और सफेद फूल से सजाया गया। श्रीलीला ने स्टाइलिस साड़ी कैरी की हैं। श्रीलीला इन दिनों फिल्म मास जतारा में नजर आ रही हैं। फिल्म मास जतारा में श्रीलीला के अलावा एक्टर रवि तेजा हैं।दरअसल साउथ की फेमस एक्ट्रेस श्रीलीला एक्टिंग करने के अलावा मेडिकल की पढ़ाई भी पूरी कर चुकी हैं। साल 2001 में जन्मी श्रीलीला ने तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में बतौर हीरोइन काफी पॉपुलैरिटी हासिल की है।श्रीलीला को कुछ समय पहले ही साउथ के सपरस्टार अल्लू अर्जुन की फल्म पुष्पा 2 में किसिक सॉन्ग पर आइटम नंबर करते हुए देखा गया था। एक रूढिघ्वादी परिवार से होने के बावजूद श्रीलीला ने मेडिकल की पढ़ाई के साथ–साथ एक्टिंग में भी अपनी पहचान बनाई है।

कंगना रनौत जैसी दिखती हैं, वैसी हैं नहीं जाने क्यों कहा तितिक्शा श्रीवास्तव ने ऐसा

तितिक्शा श्रीवास्तव एक भारतीय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों और टेलीविजन शो में काम कर चुकी हैं 7 तितिक्शा श्रीवास्तव एक अभिनेत्री, और पेशे से एक वकील भी हैं 7 बॉलीवुड फिल्म 'धाकड़' और 'सेल्फी' में काम कर चुकी अभिनेत्री तितिक्शा श्रीवास्तव सीरियल 'जागृतिरू एक नई सुबह' में भी दिखी थी, जहां उनके किरदार को काफी पसंद किया गया। अब एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर, टीवी सीरियल की दुनिया के अनुभव और अपने शुरुआती दिनों के अनुभव फैंस संग शेयर किए हैं। एक्ट्रेस तितिक्शा श्रीवास्तव ने कंगना रनौत की फिल्म 'धाकड़' में काम किया है।

कंगना रनौत की पर्सनैलिटी को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि लोगों को जैसा लगता है, वे वैसी बिल्कुल भी नहीं हैं। धाकड़ उनकी फिल्म थी, लेकिन उन्होंने कभी किसी को कमतर महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने अपनी जगह बनाए रखी और बाकी सभी को अपनी जगह दी। अर्जुन रामपाल सर और अन्य बड़े कलाकारों सहित पूरी टीम ने

मिलकर बहुत सहजता से काम किया। उन्होंने कंगना की तारीफ करते हुए कहा कि वे बहुत डिसिप्लिन फॉलो करने वाली एक्ट्रेस हैं और एक्टिंग के मामले में शानदार हैं। फिल्म धाकड़ के दिनों को याद कर तितिक्शा श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने फिल्म में एसीओ की भूमिका निभाई थी।

एक्शन सीन को शूट करने के लिए उन्होंने कंगना के साथ चार दिन तक प्रैक्टिस की थी। उनके साथ चार दिन काम करना मेरे लिए सबसे यादगार पलों में से एक रहा था। उन्होंने ये भी बताया कि एक्शन सीन्स को फिल्माने के लिए कंगना ने हॉलीवुड से एक्शन निर्देशकों को बुलाया था। टीवी सीरियल 'जागृतिरू एक नई सुबह' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस तितिक्शा श्रीवास्तव ने बताया कि फिल्मों और टीवी सीरियल में काम करने का तरीका बहुत अलग होता है।

तितिक्शा श्रीवास्तव एक्टिंग में कदम रखने से पहले वकालत करती थीं। वकालत छोड़ एक्टिंग में आने के सवाल पर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे माता–पिता हमेशा पढ़ाई के लिए जोर देते थे और कहते थे कि पढ़ाई कभी बेकार नहीं जाती।

अब उनकी बात मानते हुए मैंने पहले वकालत की पढ़ाई की और फिर सेटल होने के बाद एक्टिंग में कदम रखा, लेकिन पहले मेरे इस फैसले को परिवार ने नहीं माना, लेकिन जब काम मिलने लगा तो सब धीरे–धीरे समझ गए।

सीरियल में काम करने का एक्सपीरियंस काफी अच्छा रहा, हमने बच्चों के साथ शूटिंग की और सीरियल में काम करने वाले अनुभवी कलाकारों से काफी कुछ सीखा भी।

बाद में जब मैंने शो में वापसी की, तो मेरे किरदार को पॉजीटिव से निगेटिव कर दिया गया। अचानक पॉजीटिव से निगेटिव किरदार को निभाना मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी।

मोहनलाल की बेटी विस्मया की पहली फिल्म की घोषणा, फिल्म थुडक्कम से मलयालम सिनेमा में करेंगी डेब्यू

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की बेटी विस्मया पर्दे पर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी पहली फिल्म का नाम थुडक्कम है और इसका निर्देशन जूड एंथनी जोसेफ करेंगे, जिन्होंने 2018 में अपनी फिल्म से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत जूड एंथनी जोसेफ ने विस्मया के पिता और अनुभवी अभिनेता मोहनलाल को आशीर्वाद सिनेमा के निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर की उपस्थिति में पटकथा सौंपकर की। विस्मया की माँ सुचित्रा मोहनलाल ने कैमरा चालू किया, जबकि उनके भाई प्रणव मोहनलाल ने क्लैपबोर्ड बजाया। एंटनी के बेटे आशीष जो एंटनी मुख्य भूमिका में होंगे और पटकथा लिनिश नेल्लिक्कल, अखिल कृष्ण और जूड ने लिखी है। फिल्म की तकनीकी टीम में क्रमशरू छायाकार जोमन टी जॉन, संपादक चमन चक्को और संगीतकार जेक्स बेजॉय शामिल हैं। मोहनलाल ने कहा, मैं लगभग 48 साल पहले पहली बार किसी फिघ्ल्म में अभिनय करने आया था। उस समय, यह कोई बड़ी बात नहीं थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे बच्चे एक दिन फिघ्ल्मों में अभिनय करेंगे। उनकी अपनी

निजता और महत्वाकांक्षाएँ हैं, और मैंने हमेशा इसका सम्मान किया है।उन्होंने आगे कहा, मैं वास्तव में कभी अभिनेता नहीं बनना चाहता था। यह बस ऐसे हुआ जैसे कि यह नियति में लिखा हो। मैंने अपनी बेटी का नाम विस्मया रखा है क्योंकि मैं अपने जीवन में होने वाली हर घटना को एक आश्चर्य, एक संयोग मानता हूँ। वह फिघ्ल्मों में अभिनय करना चाहती थी, और हमारे पास इसे संभव बनाने के लिए सभी सुविधाएँ हैं, हालाँकि अभिनय कभी आसान नहीं होता। सिनेमा कभी भी एक व्यक्ति का शो नहीं होता। आपको एक अच्छे मंच, कहानियों और साथियों की जरूरत होती है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि माया इसमें भाग्यशाली हो।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।